वर्षः- 05
अंकः- 333
मुरादाबाद
(Sunday)
29 March 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद से प्रकाशित
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

पीएम मोदी बोलेः यूपी अब सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट वाले राज्यों में से एक;बताए अपनी खुशी के दो कारण

पीएम मोदी ने कहा, किसी भी देश में एयरपोर्ट सिर्फ एक सामान्य सुविधा नहीं होती। ये प्रगति को भी उड़ान देते हैं। साल 2014 से पहले देश में सिर्फ 74 एयरपोर्ट थे, आज 160 से अधिक एयरपोर्ट हो चुके हैं। अब महानगरों के अलावा, देश के छोटे-छोटे शहरों तक भी हवाई कनेक्टिविटी पहुंच रही है। पहले की सरकारें मानती थीं कि हवाई यात्रा सिर्फ अमीरों के लिए होनी चाहिए, लेकिन भाजपा सरकार ने सामान्य भारतीयों के लिए भी हवाई यात्रा को आसान बना दिया है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का लोकार्पण किया। इस एयरपोर्ट की नींव 25 नवंबर 2021 को प्रधानमंत्री ने ही रखी थी। लोकार्पण के बाद जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, युवाओं को पता है कि यह जो काम हो रहा है, यह नौजवानों के भविष्य को नई उड़ान देने वाला काम है। आज हम विकसित यूपी, विकसित भारत अभियान का एक नया अध्याय शुरू कर रहे हैं। पीएम मोदी ने अपनी प्रसन्नता के बताए दो कारण- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आगे कहा, देश का सबसे बड़ा प्रदेश आज सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट वाले राज्यों में से एक बन गया है। आज मेरे लिए गर्व और प्रसन्नता के दो कारण हैं। जिसमें पहला, इस एयरपोर्ट का शिलान्यास करने का सौभाग्य भी मुझे मिला था और इसका उद्घाटन करने का सौभाग्य भी मुझे मिला है। दूसरा, जिस उत्तर प्रदेश ने मुझे प्रतिनिधि बनाया, सांसद बनाया, उस उत्तर प्रदेश की पहचान के साथ इस भव्य एयरपोर्ट का नाम भी जुड़ गया है।

संकट के समय में भी भारत ने तेज विकास निरंतर जारी रखा- पीएम मोदी ने कहा, आज पूरा विश्व चिंतित है, पश्चिम एशिया में एक महीने से युद्ध चल रहा है। युद्ध की वजह से कई देशों में खाने-पीने का सामान, पेट्रोल, डीजल, गैस, खाद जैसी कई जरूरी चीजों का चारों तरफ संकट पैदा हो गया है। हर देश इस संकट का सामना करने की कोशिश कर रहा है, और हमारा भारत भी पूरी शक्ति से इसका मुकाबला कर रहा है। देशवासियों की ताकत के भरोसे कर रहा है। भारत बड़ी मात्रा में कच्चा तेल और गैस युद्ध-प्रभावित क्षेत्रों से मंगाता है। इसलिए सरकार हर वह कदम उठा रही है, जिससे सामान्य परिवारों और हमारे किसान भाई-बहनों पर बोझ न पड़े। संकट के इस समय में भी भारत ने अपने तेज विकास को निरंतर जारी रखा है। पीएम ने सपा और कांग्रेस पर बोला हमला- पीएम मोदी ने कांग्रेस और सपा पर हमला बोलते हुए कहा, 2004 से 2014 तक, यह हवाई अड्डा फाइलों में दबा रहा। फिर सपा सरकार ने काम को आगे नहीं बढ़ने दिया। लेकिन जैसे ही यहां भाजपा सरकार बनी, नींव रखी गई और अब हवाई अड्डा चालू है। सत्ताधारी यहां आने से डरते थे- पीएम मोदी- प्रधानमंत्री ने कहा, नोएडा को पहले अंधविश्वास के कारण अपने हाल पर छोड़ दिया गया था, कुर्सी जाने के डर से पहले के सत्ताधारी यहां आने से डरते थे। मुझे याद है, जब यहां सपा सरकार थी और मैंने नोएडा आने का कार्यक्रम बनाया, तो मुख्यमंत्री इतने डरे हुए थे कि वे उस कार्यक्रम में नहीं आए। मुझे भी डराने की कोशिश की गई, कहा गया, नोएडा मत जाइए, मोदी जी, अभी-अभी प्रधानमंत्री बने हैं। मैंने कहा, मैं उस धरती का आशीर्वाद लेने जा रहा हूं, जो मुझे लंबे अरसे तक सेवा करने का मौका देगी। आज वही इलाका पूरी दुनिया का स्वागत करने के लिए तैयार है। यह पूरा क्षेत्र आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को सशक्त कर रहा है। पश्चिम एशिया संकट के बीच लोगों से की यह अपील- प्रधानमंत्री ने पश्चिम एशिया संकट को लेकर कहा, 140 करोड़ देशवासी कड़े से कड़ा परिश्रम करें और वैश्विक संकट का एकजुट होकर सामना करें। हमें शांत मन से, धैर्य और एकजुटता के साथ मिल-जुलकर इस संकट का सामना करना है। यह पूरे विश्व में परेशानी पैदा करने वाला संकट है, हमें अपने देश की सबसे ज्यादा चिंता करनी है, और यही हम भारतीयों की सबसे बड़ी ताकत है। मैं यूपी के और देश के सभी राजनीतिक दलों से आग्रहपूर्वक कहना चाहता हूं कि ऐसे संकट के समय ऐसी बातें करने से बचें जो देश के लिए नुकसानदायक हों। जो भारत और भारतीयों के हित में है, वही भारत सरकार की रणनीति है।हर दो मिनट में एक जहाज उड़ेगा- पीएम मोदी पीएम मोदी ने कहा, सेमीकंडक्टर फैक्टरी भारत को तकनीकी में आगे बढ़ा रही है। मेरठ मेट्रो और नमो भारत रेल तेज और स्मार्ट कनेक्टिविटी दे रही है और यह हमारा जेवर एयरपोर्ट, पूरे उत्तर भारत को दुनिया से जोड़ रहा है। यह सभी प्रोजेक्ट पूरा होना डबल इंजन की सरकार का शानदार उदाहरण है। पीएम ने आगे कहा, आपने वीडियो में देखा होगा, यह ऐसा एयरपोर्ट बन रहा है, जिससे हर दो मिनट में एक जहाज उड़ेगा।

संक्षिप्त समाचार

एचपीसीएल का बड़ा बयान: देश में ईंधन की कोई कमी नहीं, पर्याप्त भंडार; कहा- आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करें

HPCL ने स्पष्ट किया है कि देश में पेट्रोल, डीजल और LPG की कोई कमी नहीं है और सभी फ्यूल स्टेशन सामान्य रूप से काम कर रहे हैं। कंपनी के मुताबिक रिफाइनरियां फुल कैपेसिटी पर चल रही हैं, भंडार पर्याप्त हैं और सप्लाई पूरी तरह सुरक्षित है। आइए विस्तार से जानते हैं। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और तेल आपूर्ति को लेकर उठ रही आशंकाओं के बीच हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (HPCL) ने देश में ईंधन की उपलब्धता को लेकर बड़ा बयान जारी किया है। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि भारत की ऊर्जा आपूर्ति पूरी तरह सुरक्षित और स्थिर है तथा देशभर में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की कोई कमी नहीं है एचपीसीएल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि भारत की ऊर्जा आपूर्ति सुरक्षित और स्थिर है। पेट्रोल, डीजल या एलपीजी की कोई कमी नहीं है और सभी फ्यूल स्टेशन सामान्य रूप से संचालित हो रहे हैं देश की रिफाइनरियों को लेकर क्या कहा? कंपनी ने यह भी बताया कि देश की रिफाइनिंग और सप्लाई प्रणाली सुचारु रूप से काम कर रही है।' उपलब्ध हैं और भविष्य की आपूर्ति भी सुरक्षित कर ली गई है। पेट्रोल पंपों पर भीड़ गलत जानकारी का कारण बनी- कुछ क्षेत्रों में पेट्रोल पंपों पर देखी गई भीड़ को लेकर HPCL ने साफ किया कि यह स्थिति गलत जानकारी (मिसइन्फॉर्मेशन) के कारण बनी।

बंगाल का रणः ममता सरकार के खिलाफ भाजपा की चार्जशीट, अमित शाह बोले-ये भय से मुक्ति का चुनाव

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कोलकाता में ममता बनर्जी सरकार के 15 साल के शासन के खिलाफ एक चार्जशीट जारी की है।

उन्होंने घुसपैठ, महिला सुरक्षा और भ्रष्टाचार को मुख्य मुद्दा बनाते हुए कहा कि बंगाल का आगामी चुनाव राज्य के साथ-साथ देश की सुरक्षा के लिए भी निर्णायक है। शाह ने जनता से अपील की कि वे तुष्टीकरण की राजनीति को छोड़कर विकास के रास्ते को चुनें।पश्चिम बंगाल में राजनीतिक सरगर्मी बढ़ती जा रही है। भाजपा ने ममता सरकार के खिलाफ विधानसभा चुनाव से पहले मोर्चा खोल दिया है। इसी कड़ी में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज एक आरोप पत्र चार्जशीट जारी की है। इस आरोप पत्र के जरिए शाह ने तृणमूल कांग्रेस (TMC) के 15 साल के शासन को अराजकता और भ्रष्टाचार का युग बताया है। उन्होंने कहा कि यह चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का नहीं, बल्कि बंगाल की आत्मा को बचाने और इसे भयमुक्त बनाने का चुनाव हैअमित शाह ने बंगाल में घुसपैठ के मुद्दे को जोर-शोर से उठाया है। उन्होंने कहा कि पूरे देश की सुरक्षा बंगाल के चुनावी नतीजों से अटूट रूप से जुड़ी हुई है। आज देश में घुसपैठियों के प्रवेश का केवल एक ही मुख्य रास्ता बचा है, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ समझौता हो रहा है। अगर बंगाल को घुसपैठ से मुक्त करना है, तो यहां सत्ता परिवर्तन अनिवार्य है। अमित शाह ने आरोप लगाया कि ममता सरकार ने वोट बैंक की राजनीति के लिए सीमावर्ती इलाकों में डेमोग्राफी के साथ खिलवाड़ होने दिया।%विक्टिम कार्ड% की पॉलिटिक्स खेलती हैं ममता- शाह- तंज कसते हुए गृह मंत्री ने कहा कि ममता बनर्जी ने हमेशा विक्टिम कार्ड की पॉलिटिक्स खेली हैं। कभी उनका पैर टूट जाता है, कभी उनके सिर पर पट्टी बंध जाती है, कभी वह बीमार पड़ जाती हैं और कभी वह चुनाव आयोग के सामने खड़ी होकर बेबसी का नाटक करती हैं। चुनाव आयोग को गालियां देती हैं। लेकिन मैं उन्हें यह बताने आया हूं कि बंगाल के लोग अब विक्टिम कार्ड की इस पॉलिटिक्स को अच्छी तरह समझ चुके हैं। 15 वर्षों के काले कारनामों का संकलन है चार्जशीट- शाह- केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि यह चार्जशीट, टीएमसी सरकार के 15 वर्षों के काले कारनामों का संकलन है। सोनार बांग्ला का स्वप्न दिखाकर सिंडिकेट राज स्थापित कर बंगाल की जनता का शोषण करने वाले शासन की कहानी है। टीएमसी के कुशासन में बंगाल भ्रष्टाचार की प्रयोगशाला बन चुका है। ऊपर से नीचे तक आपराधिक सिंडिकेट जनता को परेशान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विकास के अभाव में बंगाल उद्योग के लिए एक प्रकार से कब्रिस्तान बन चुका है। अमित शाह ने कहा कि यह चार्जशीट केवल भाजपा की नहीं, बल्कि बंगाल की पीड़ित जनता की आवाज है। 2011 से ही भाजपा इस अराजकता के खिलाफ संघर्ष कर रही है और अब समय आ गया है कि जनता इसका हिसाब ले।

बंगाल से भाजपा का अंत तय, ममता बनर्जी का भाजपा पर बड़ा हमला, कहा- पूरे देश की सत्ता गंवानी पड़ेगी

ममता बनर्जी ने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि बंगाल को नुकसान पहुंचाने की कोशिश भाजपा को पूरे देश में सत्ता गंवाने पर मजबूर करेगी। उन्होंने चौथी बार जीत का दावा किया और दिल्ली में विपक्ष को एकजुट करने की बात कही। साथ ही चुनाव आयोग और राम नवमी हिंसा को लेकर भी सवाल उठाए।पश्चिम बंगाल की राजनीति में चुनावी गर्मी तेज हो गई है। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने दावा किया कि अगर भाजपा बंगाल को कमजोर करने की कोशिश करेगी, तो उसे पूरे देश की सत्ता गंवानी पड़ेगी। रानीगंज में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए ममता ने साफ कहा कि बंगाल की जनता भाजपा को जवाब देगी। और बंगाल से भाजपा का अंत करेगी।रैली में ममता बनर्जी ने कहा कि उनकी पार्टी लगातार चौथी बार विधानसभा चुनाव जीतकर सत्ता में आएगी। उन्होंने यह भी एलान किया कि जीत के बाद वह सभी विपक्षी दलों को साथ लेकर दिल्ली की सत्ता को चुनौती देंगी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा अगर राज्य में आई तो बुलडोजर राजनीति करेगी और लोगों को उनके घरों से बाहर कर देगीक्या भाजपा को बंगाल से देश में नुकसान होगा?- ममता बनर्जी ने कहा कि भाजपा बंगाल को निशाना बना रही है, लेकिन इसका असर उल्टा पड़ेगा। उन्होंने दावा किया कि बंगाल को कमजोर करने की कोशिश भाजपा के लिए पूरे देश में भारी पड़ेगी। उनके मुताबिक, जनता भाजपा की नीतियों से नाराज है और आने वाले चुनाव में इसका जवाब देगी। चुनाव आयोग पर क्या आरोप लगाए?- ममता ने चुनाव आयोग पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण के दौरान नाम हटाए जा रहे हैं। उनका कहना है कि यह काम भाजपा के इशारे पर हो रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि इसकी एक सीमा होती है, लेकिन भाजपा हर सीमा पार कर रही है। राम नवमी हिंसा क्या बोलीं ममता- मुर्शिदाबाद के रघुनाथगंज इलाके में राम नवमी के जुलूस के दौरान हुई हिंसा को लेकर भी ममता ने बयान दिया। उन्होंने कहा कि प्रशासन ने समय पर कार्रवाई नहीं की। उन्होंने वादा किया कि सत्ता में लौटने के बाद दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होगी। राम नवमी के दौरान कई जगह पत्थरबाजी, आगजनी और तोड़फोड़ की घटनाएं सामने आईं। इसके बाद पुलिस ने जंगीपुर और रघुनाथगंज इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी है। चुनावी माहौल में इन घटनाओं ने कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। दिल्ली की कुर्सी पर भी ममता की नजर- ममता बनर्जी ने साफ संकेत दिया कि उनका लक्ष्य सिर्फ बंगाल तक सीमित नहीं है। उन्होंने कहा कि वह विपक्षी दलों को एकजुट कर दिल्ली में भी भाजपा को चुनौती देंगी। इससे साफ है कि आने वाले समय में राष्ट्रीय राजनीति में भी टकराव और तेज हो सकता है।

खरगे-सोनिया गांधी ने कभी भेदभाव नहीं किया: फिर किसकी वजह से छोड़ी कांग्रेस? प्रद्युत बोरदोलोई ने किया खुलासा

असम से दो बार के सांसद रहे प्रद्युत बोरदोलोई ने कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होने की बड़ी वजह बताई है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस में उन्हें जानबूझकर दरकिनार किया गया और अपमानित किया गया जिससे वह खुद को पार्टी में अवांछित महसूस करने लगे थे हाल ही में बीजेपी में शामिल हुए असम से दो बार के सांसद प्रद्युत बोरदोलोई ने कांग्रेस पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने अपनी पुरानी पार्टी पर बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि पार्टी के भीतर उन्हें लगातार अपमानित किया जा रहा था और उनके आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाई जा रही थी। बता दें कि पांच दशकों तक कांग्रेस से जुड़े रहे बोरदोलोई अब भाजपा के टिकट पर दिसपुर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। बोरदोलोई के शनिवार को कहा कि उनके साथ भेदभाव की शुरुआत साल 2022 के संगठनात्मक चुनावों के दौरान हुई थी। उन्होंने बताया कि जब शशि थरूर ने कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ने का फैसला किया, तो उन्होंने थरूर का समर्थन किया था। बोरदोलोई का दावा है कि थरूर का प्रस्तावक बनने और उनके लिए प्रचार करने की वजह से पार्टी के कुछ नेता उनसे नाराज हो गए। इसके बाद से ही उन्हें पार्टी में हाशिए पर धकेलने की शिशें शुरू हो गई थीं।खरगे-सोनिया गांधी ने कभी भेदभाव नहीं किया पूर्व सांसद ने बताया कि मल्लिकार्जुन खरगे और सोनिया गांधी ने उनके साथ कभी भेदभाव नहीं किया, लेकिन पार्टी की दूसरी पंक्ति के नेताओं ने उन्हें जानबूझकर अलग-थलग कर दिया। बोरदोलोई ने कहा कि जब भी वह लोकसभा में अपनी बात रखना चाहते थे, तो उन्हें मौका नहीं दिया जाता था। पार्टी की लिस्ट में उनका नाम सबसे नीचे रखा जाता था ताकि उन्हें बोलने के लिए सिर्फ दो मिनट मिलें या फिर समय ही खत्म हो जाए। बोरदोलोई ने एक पुरानी घटना का जिक्र करते हुए कहा कि 2025 के पंचायत चुनावों के दौरान उन पर जानलेवा हमला हुआ था। लोहे की रॉड से उनकी कार पर हमला किया गया। शुरुआत में उन्हें लगा कि यह भाजपा की साजिश है, लेकिन बाद में पता चला कि यह हमला कांग्रेस के ही एक विधायक के करीबी ने करवाया था। जब उन्होंने इसकी शिकायत आलाकमान से की, तो उनकी बात सुनने के बजाय उसी विधायक को ज्यादा अहमियत दी गई। उन्होंने आगे कहा कि जब राज्य कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई ने भी इस मामले में उनका बचाव नहीं किया, तो उन्हें बहुत निराशा हुई। बोरदोलोई ने महसूस किया कि कांग्रेस में अब उनके लिए कोई जगह नहीं बची है। उन्होंने कहा कि एक सांसद होने का क्या फायदा जब वह अपने क्षेत्र की समस्याओं को संसद में ढंग से उठा ही न सकें। भाजपा में शामिल होने को लेकर उन्होंने बताया कि इस्तीफा देने के बाद मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने उनसे संपर्क किया था। बोरदोलोई ने भाजपा के सामने केवल एक ही शर्त रखी कि उन्हें पूरा सम्मान दिया जाए। भाजपा ने उन्हें डिस्पुर से उम्मीदवार बनाया है। उन्होंने साफ किया कि वह बिना किसी निजी स्वार्थ के पार्टी में आए हैं और अब भाजपा के मजबूत संगठन के साथ मिलकर जनता की सेवा करेंगे।

संपादकीय Editorial

The system is deteriorating.

Big structures will now face significant tests with ease. MLA Prakash Rana, during the Assembly's budget session, weighed in on the neglect of buildings. He highlighted how public funds are wasted by subservient governments. Buildings are not symbols of power; they should enhance state assets. However, changing governments often halt the construction of previous projects and buildings as state priorities. Similar debates are taking place between the ruling and opposition parties, where it is being claimed that the previous government constructed nearly a thousand buildings in a wasteful manner. What are our long-term plans, and how are infrastructural achievements evaluated? The system's guardrails are deteriorating.

Generations are filled with disappointment, yet educational institutions are being established. Our House debates are filled with anger, both sides are divided, but the reality of the state is unsurprising. Instead of discussing how much ground is left beneath the debt of Rs 1 lakh crore and how much sky is left above it, all parties are tearing each other's shirts. Even the police system was torn to shreds when four police officers who were supposed to stop drug trafficking became drug dealers. Four STF officers scuttled the entire department's investigation and, in collusion with LSD smugglers, set up shop. There could be many reasons for this audacity, or perhaps many white-collar criminals are involved in the drug trade. We cannot doubt the functioning of the entire department, but we can urge people to learn lessons from such examples. Furthermore, Himachal's crime scene is becoming increasingly frightening. If police officers become entangled in organized crime, then the entire atmosphere of the state will have to be questioned. Evidence from Himachal on the crime map now calls for a change in the pattern. At least there is a growing need for stricter police surveillance in border areas and a change in the very nature of the department. Systemic reforms in the police system cannot be avoided. The police commissioner system must be implemented at least at the district headquarters in municipal areas, while the headquarters of police cells such as crime and drug prevention should be established in BBN. ??In Himachal, pressures from social and civic behavior are presenting new challenges for the police, while cybercrime is also spreading its roots. In such a situation, who will protect a retired officer from cyber arrest who, while investing his savings, succumbs to greed? Who will protect the lives of those students who are losing their self-confidence and moral courage in the educational system? When a student in a Palampur college committed suicide in front of her own classroom, the police investigation cannot provide all the answers. There, the boundaries of education, the curriculum, the journey of life's aspirations, and the environment are violated. Himachal must now fear the dangers engulfing its own ways. It must fear the intrusion of haste into the competitiveness of life. Those who are souring the mood in the Assembly should consider that some ominous shadows are haunting the state's image. We have worked so hard to build Himachal to its current position, but now the real test will be in every aspect of the system and every aspect of society. We must strengthen our resolve to ensure that humanity remains alive beneath the police uniform, that students' aspirations have a bright future, and that the state's goals remain supreme over the duties of public representatives.

Ashok Kharat Controversy: The faces of the "Rupalis" trapped in the trap of fake babas must be exposed.

Those considered to be the leaders of society, those responsible for running the country and the state, what message are they sending to the public by becoming blind followers of these fraudulent babas? The resignation of Rupali Chakankar, Chairperson of the State Women's Commission in Maharashtra, has raised many questions. While resignations are rare in politics these days, this is likely the first instance of a female leader resigning due to questionable ties to a fraudulent babas. Therefore, the resignation of Rupali Chakankar, Chairperson of the State Women's Commission in Maharashtra, should be welcomed because the reasons for her resignation reflect the rot in our society. Rupali Chakankar is accused of having a questionable relationship with a fraudulent babas from Maharashtra, Captain Ashok Kharat. This so-called baba, who calls himself a "godman" and a numerologist, was recently arrested by Maharashtra police on charges of drugging and raping a woman for three years, and 58 pornographic videos were recovered from his possession. In her complaint to the police, the victim stated that in 2022, after her marriage, Kharat called her to his office and told her that her astrological calculations indicated a threat to her husband's life. She stated that Kharat raped her after giving her a drink laced with sedatives. He continued to sexually assault her for three years. Meanwhile, it was revealed that Rupali Chakankar was among this fake baba's devoted followers. It is said that Rupali and her businessman husband recently performed a tantric ritual at the baba's behest, for which Rupali cut her ring finger to obtain the necessary blood. Rupali is an educated woman and is also the president of the women's state unit of the Nationalist Congress Party. She comes from a political family. Her mother-in-law was also a former NCP councilor. But Rupali also resorted to the help of a fake baba to advance in politics. The widespread network of fake sadhus and sham babas - Rupali is just one example. Many politicians in this country are deeply entangled in the web of fake sadhus and sham babas. If you investigate deeply, you will find ten or twenty people in almost every party who, to fulfill their political, business, or power interests, seek refuge in such fake babas and spend money on them. Some do this openly, while others do it secretly. This begs the question: is this country moving forward or backward? In any case, the business that has flourished the most in this country since independence is that of babas and sadhus. Most of these people have no religious legitimacy or deep religious knowledge, yet they possess more than a PhD in exploiting people's emotions and compulsions. The special thing is that this business never faces a recession, because millions of people are willing to be fooled in the name of faith and lose everything. Nowadays, fake (and many real!) babas find it necessary to seek the help of such babas to flourish, and politicians find it necessary to keep their businesses running. This relationship is complementary. Politicians are more interested in the baba's crowd-pulling skills than in his accomplishments and spiritual practices, while babas seek legitimacy from politicians because it provides security and expansion to their business. If a politician is associated with a ruling party, it is even better, and if such a baba has control over a religious place, it is icing on the cake. This quells any remaining doubts in the minds of ordinary devotees, and they view every action of the baba with the same "sacredness of mother cow," no matter how filthy his inner self may be. The story of the fake baba Ashok Kharat is similar. He writes "Captain" before his name. It is said that he was once in the Merchant Navy. After leaving that demanding job, he entered the lucrative profession of babagiri. He began predicting the future of others by calling himself a numerologist. This rise in Babagiri has been attributed to the favor of all political parties in Maharashtra. After entering the babagiri business, Kharat established the Ishanyeshwar Temple in Mirgaon, Nashik district. It is known as the Shivnika Sansthan. Ashok Kharat became the president of the 'Shri Ishanyeshwar Devasthan Trust,' and Rupali was also a trustee. Kharat's influence within the government led to a decision to provide water from the Gangapur Dam to his institute. A 48-kilometer pipeline was also laid for this purpose. However, the government has now rescinded this order and announced an investigation. However, the name of Jayant Patil, the then Water Resources Minister of Maharashtra and a close associate of Sharad Pawar, is emerging. This clearly indicates that Kharat had deep influence within the Nationalist Congress Party. Ashok Kharat quickly achieved the status of a Maharaja through his skills, earned considerable wealth, and invested in many places. Baba's fame and the growing crowd of blind devotees fuel the electoral ambitions of politicians. Rupali is also in the NCP Ajit Pawar faction. She has also received an award for her good work for women's self-help groups. Coalition politics made her the chairperson of an important organization like the Maharashtra State Women's Commission. The chairperson of an organization that was responsible for protecting women's rights was trapped by a fraud and rapist Baba and was devoted to him. However, in her defense, Rupali stated that she had been framed. Her faith in a particular Baba is a personal matter. She also stated that the government should investigate who was behind this "conspiracy." However, she was resigning on moral grounds. Rupali defended herself by stating that she had known the fake Baba since 2019, but was unaware of his dark deeds. Now, who wouldn't die for this innocent act, oh God? Rupali isn't alone... Rupali is just one example that has come to light. The list of politicians who openly or secretly serve or protect such fake Babas is long. The fake Baba was arrested based on a report from the woman he had been raping. After she reported him to the police, the Baba threatened to have her husband murdered. Meanwhile, police raided Ashok Kharat's office, "Oaks Property Dealer & Developer," located at Canada Corner in Nashik, and recovered significant evidence, including 58 pornographic videos featuring several high-profile women. Photographs of Kharat with several prominent politicians have also surfaced. Sushma Andhare, a firebrand leader of the opposition Shiv Sena (Uddhav Thackeray), questioned the relationship between Rupali Chakankar and the fake Baba Kharat. Citing the Maharashtra Prevention of Human Sacrifice and Aghori Practices and Black Magic Act, former Maharashtra Chief Minister Uddhav Thackeray said, "If law-abiding people are following such fake Babas, then action should also be taken against such fake followers appearing in politics." The name of the state's Deputy Chief Minister, Eknath Shinde, is also being mentioned among these people. Meanwhile, Maharashtra's Devendra Fadnavis government, recognizing the seriousness of the matter, has formed an SIT to investigate, led by IPS officer Tejaswini Satpute. A case has also been registered against Kharat under various sections of the BNS and the Maharashtra Prevention of Human Sacrifice and Other Inhuman, Evil and Aghori Practices and Black Magic Act, 2013. These sections are: 64(1) rape, 74, 352, and 351(1). Sections 3(1) and 3(2) of the Black Magic Act have also been imposed. Meanwhile, the Nashik court has remanded the accused, Ashok Kharat, in police custody until March 24th. The police are now working to identify other potential victims who were unable to come forward due to fear of Kharat. The real question here is: what message are those who are considered social leaders, those who have the responsibility of running the country and the state, sending to the public by becoming blind followers of these fake babas?

Another aspect: Cow protection isn't just a religion, it can also be an economic model; the Mathura model has achieved success.

The annual budget of approximately 2,000 registered cow shelters in the country is billions of rupees, but its benefits are not received by those who should benefit from it. In Sanatan Hindu culture, the cow is considered a mother. Cow milk, yogurt, buttermilk, cheese, and ghee are considered best for health. The benefits of indigenous cow dung and urine have been proven through scientific tests. For centuries, cow rearing was a tradition in every Sanatani household, but urbanization and modern lifestyles have rapidly eroded this tradition. Thousands of cow shelters have been established in cities over the past 100-150 years, but the condition of most cow shelters is not up to expectations. Today, there are approximately 8,000 cow shelters in the country, of which only about 2,000 are registered. The annual budget of these cow shelters is billions of rupees, but those who should benefit from it are not. We conducted a small experiment in this direction 20 years ago in Mathura, which yielded positive results. We were unable to continue it further because our priority was to save the Krishna-era lakes and forests of Braj. This model is very simple. 10,210,000 hectares of land is available for pastures in the country, which represents 3-4 percent of the country's total geographical area. Every village has many landless families, whom the government provides employment for a few days a year through schemes like MNREGA. There are many educated youth in the districts and villages who are interested in social work. What should happen is that a committee of landless families in the village should be formed and they should be engaged in growing fodder on the pasture land. This fodder should then be given to other landless families. These families can earn income by working in the pastures, care for their cattle with the free fodder, and support their families with the milk they produce, leading a healthy life. When we conducted this experiment in Mathura, we asked donors to contribute financially to growing fodder on a village pasture, and not to donate money in the name of cow service. We found many generous donors and young people who helped make this experiment a success. Ours was a very small-scale experiment. However, some young people, having studied at IITs and IIMs and left their jobs in multinational companies, are implementing this model on a much larger scale in Central India. They have improved the lives of thousands of poor people and, using the manure produced through this process, have planted large fruit orchards on barren lands. People who initially opposed them are now cooperating with them. Therefore, nothing is impossible. What is needed is an honest and generous mindset.

मैनाठेर कांड: तत्कालीन डीआईजी पर हमले के 16 दोषियों को आजीवन कारावास, कोर्ट परिसर की बढ़ाई गई सुरक्षा

मैनाठेर बवाल के दौरान तत्कालीन डीआईजी पर हमले के 16 आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। सजा सुनते ही परिजन सन्न रह गए। इस दौरान कोर्ट परिसर की सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।मुरादाबाद के बहुचर्चित 15 साल पुराने मैनाठेर कांड में अदालत ने बड़ा फैसला सुनाते हुए तत्कालीन डीआईजी पर जानलेवा हमले के मामले में दोषी करार दिए गए 16 आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। शनिवार को एडीजे-दो कृष्ण कुमार की अदालत ने सजा पर सुनवाई पूरी करने के बाद यह आदेश दिया।इससे पहले 23 मार्च को अदालत ने सभी 16 आरोपियों को दोषी ठहराया था। सजा सुनाए जाने के दौरान अदालत परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। दोषियों को पुलिस हिरासत में कोर्ट में पेश किया गया। सजा सुनते ही परिजन सन्न रह गए।यह घटना छह जुलाई 2011 को मैनाठेर थाना क्षेत्र के असालतनगर बघा गांव में हुई थी। जब पुलिस एक आरोपी की तलाश में दबिश देने पहुंची थी। दबिश के दौरान धार्मिक पुस्तक के अपमान का आरोप लगाते हुए लोगों ने विरोध शुरू कर दिया। देखते ही देखते मामला हिंसक हो गया।
गुस्साई भीड़ ने मुरादाबाद-संभल रोड पर तीन स्थानों पर जाम लगाते हुए मैनाठेर थाने और डींगरपुर पुलिस चौकी में आग लगा दी। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे तत्कालीन डीआईजी अशोक कुमार और डीएम राजशेखर को भीड़ ने घेर लिया था। इस दौरान डीआईजी पर हमला किया गया और उनकी पिस्टल छीन ली गई थी।
मामले में पीआरओ रवि कुमार की तहरीर पर 33 नामजद और करीब 300 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। जांच के बाद 25 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई, जिनमें से छह आरोपी नाबालिग होने के कारण उनकी फाइल किशोर न्यायालय भेज दी गई थी। सुनवाई के दौरान तीन आरोपियों की मौत हो चुकी है।

प्रीपेड मीटर के हजारों उपभोक्ता बिजली आपूर्ति गुल होने से दिक्कत

मुरादाबाद।बिजली विभाग द्वारा स्मार्ट मीटरों को प्रीपेड में तब्दील करने से उपभोक्ताओं को परेशानी झेलनी पड़ रही है। इन मीटरों को कब प्रीपेड कर दिया इसकी जानकारी न होने से लोग परेशान हैं। बिजली गुल होने पर विभागीय अधिकारी जानकारी नहीं दे पा रहे हैं।अधीक्षण अभियंता नगरीय प्रशांत कुमार ने बताया कि स्मार्ट मीटर महानगर में धीरे धीरे प्रीपेड मीटर तब्दील किए जा रहे हैं। जिन लोगों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई उनके या तो उन लोगों के पुराने मीटर पर बिजली बिल का बकाया हो सकता है और प्रीपेड मीटर बकाया राशि ने होने पर बिजली दोबारा सुधार नहीं हो सकेगी। ऐसे में उपभोक्ताओं को परेशान होने की जरूरत नहीं है, सभी उपभोक्ता अपने मोबाइल में यूपीपीसीएल एप डाउनलोड करलें जिससे सारी समस्या का समाधान ऐप खोलने पर मिल जाएगा। एप उसी मोबाइल नंबर वहीं डाउन लोड करें जो बिजली कनेक्शन लेते अंकित किया हो।
सिविल लाइन्स व अन्य कॉलोनियों में मीटर नंबर गड़बड़ी व गलत बिलिंग की शिकायतें आम हो गई हैं। विभाग के उच्च अधिकारियों से उपभोक्ता सुझाव मांग रहे हैं कि रिचार्ज प्रक्रिया सरल हो, ग्रेस पीरियड बढ़ाया जाए व हेल्पलाइन सक्रिय की जाए। जिले में लगभग 60 हजार स्मार्ट मीटर लग चुके हैं, लेकिन प्रशिक्षण व जागरूकता की कमी से समस्याएं बढ़ रही हैं। प्रशासन को उपभोक्ता शिकायत निवारण शिविर लगाने चाहिए।

सिर्फ नाम ही काफी था! कागजों की जरूरत नहीं, प्रधान जी का नाम सुनते ही रास्ता छोड़ देते थे GST अफसर

एसआईटी ने जीएसटी चोरी के आरोप में भगवान सिंह उर्फ भूरा प्रधान को गिरफ्तार किया है। वह प्रधान जी नाम का इस्तेमाल कर बिना कागजों के स्क्रैप से भरे ट्रक पास कराता था। प्रतिदिन 20 से अधिक ट्रक निकलते थे, जिससे 989 करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी सामने आई है। उसके फोन से 20 से अधिक जिलों के जीएसटी अधिकारियों के नंबर मिले हैं।एसआइटी (स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम) द्वारा गिरफ्तार किए गए आरोपित भगवान सिंह उर्फ भूरा की जीएसटी विभाग के अधिकारियों से इतनी गहरी मिलीभगत थी कि जीएसटी चोरी करके ट्रक में भरकर ले जाया जा रहा स्क्रैप सिर्फ प्रधान जी का नाम सुनते ही अधिकारी छोड़ देते थे। ट्रक चालक अधिकारियों से बोलता था कि माल प्रधान जी का है। इसके बाद कोई अधिकारी ट्रकों को नहीं रोकता था। प्रतिदिन 20 से अधिक ट्रक निकलते थे।यह स्क्रैप के एक टन माल पर एक हजार रुपये लेता था। एसआइटी को उसके फोन से 20 से अधिक जिलों के जीएसटी विभाग के अधिकारियों के नंबर मिले हैं जिनके संपर्क में यह लगातार रह रहा था। यह रोजाना जीएसटी विभाग के अधिकारियों से वाट्सएप पर बात करता था।मुजफ्फरपुर ले जाते समय मुरादाबाद में 24 अक्टूबर को दो ट्रक लोहे का स्क्रैप जीएसटी के सचल दल ने उमरी चौराहे से पकड़ा था। इसके बाद स्क्रैप चोरी के आरोप में मुख्य फर्म एके इंटरप्राइजेज व मुनि जी ट्रांसपोर्ट केआर फोकल के विरुद्ध दो प्राथमिकी लिखी गईं।जांच में एक मोबाइल नंबर से 60 और दूसरे मोबाइल नंबर से 62 फर्म पंजीकृत मिलीं। इस तरह एक ही शख्स के पंजीकरण में दर्ज दो नंबरों से देश भर में 122 फर्जी फर्म सामने आई थीं। अब तक की जांच में 535 बोगस फर्मों के माध्यम से 5,473 करोड़ रुपये के टर्नओवर पर 989 करोड़ की जीएसटी चोरी सामने आ चुकी है। बुधवार को एसआइटी टीम ने भगवान सिंह उर्फ भूरा प्रधान निवासी हताना कोसी कला मथुरा और रविंद्र निवासी कटियामउ बालामऊ हरदोई को गिरफ्तार किया था। एसपी क्राइम सुभाषचंद्र गंगवार ने बताया कि भगवान सिंह उत्तर प्रदेश, हरियाणा, बिहार, राजस्थान, झारखंड में स्क्रैप की गाड़ियों को मुजफ्फरनगर और पंजाब तक पहुंचाने की जिम्मेदारी लेता था। इसमें बिल्टी व ई-वे बिल आरोपित अपने आफिस में मानदेय पर रखे रविंद्र से बनवाता था। रविंद्र ही कम्प्यूटराइज बिल्टी, ई-वे बिल, फर्मों के दस्तावेज बनाकर लंदन से खरीदे गए मोबाइल नंबर पर चल रहे वाट्सएप से कारोबारियों को भेज देता था। जांच में सामने आया है कि आरोपित भगवान सिंह को प्रदेश के जीएसटी विभाग के अधिकारी प्रधान जी के नाम से जानते हैं। बताया जाता है कि अकेले उत्तर प्रदेश से रोजाना करीब 20 ट्रक यह अधिकारियों की मिलीभगत से पास कराता था।

12वीं की छात्रा को जबरन पहनाया बुर्का, आरोपी छात्रा को किया गिरफ्तार, धर्म परिवर्तन का भी लगा आरोप

बिलारी में छात्रा को बुर्का पहनाने के आरोप में सहपाठी को गिरफ्तार किया गया है। उसके खिलाफ पीड़ित के भाई ने केस दर्ज करवाया था। आरोपी को बालिका सुधार गृह भेज दिया गया है।बिलारी में कोचिंग सेंटर से लौटते समय 12वीं की छात्रा को बुर्का पहनाने वाली आरोपी सहपाठी छात्रा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। शुक्रवार की दोपहर बाद पुलिस ने उसे किशोर न्याय बोर्ड में पेश किया जहां से आरोपी को नोएडा बालिका सुधार गृह भेज दिया है।आरोपी छात्रा और उसकी अन्य सहेलियों पर पीड़ित छात्रा के भाई ने धर्म परिवर्तन करने के लिए दबाव बनाने और नॉनवेज खिलाने का आरोप लगाया था। बिलारी नगर के मोहल्ला अब्दुल्ला निवासी एक युवक ने 22 जनवरी को बिलारी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।जिसमें उसने बताया था कि उसकी बहन कक्षा 12 की छात्रा है। वह बिलारी के मोहल्ला साहूकुंज स्थित एक कोचिंग सेंटर में ट्यूशन पढ़ने जाती है वहां अन्य छात्राएं भी पढ़ती हैं। पांच सहपाठी छात्राएं उसकी बहन को बहला फुसलाकर बुर्का पहनने को मजबूर करती हैं और मुस्लिम धर्म स्वीकार करने को दबाव बना रही हैं।
उसे इस मामले में सहपाठी छात्राओं की गहरी साजिश लगती है। इस मामले में चार छात्राएं सहसपुर और एक छात्रा थांवला गांव की रहने वाली है। कोचिंग सेंटर के बाहर बुर्का पहनने का वीडियो वायरल होने पर यह मामला तूल पकड़ गया था और कई हिंदू संगठनों के पदाधिकारियों ने बिलारी पुलिस से इस मामले की गहराई से जांच कराने की मांग उठाई थी।
एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह ने बताया कि बिलारी के गांव निवासी 17 वर्षीय आरोपी छात्रा को शुक्रवार की दोपहर उसके घर से गिरफ्तार किया गया। शुक्रवार दोपहर बाद उसे किशोर न्याय बोर्ड में पेश किया गया जहां से बालिका सुधार गृह नोएडा भेज दिया गया। अन्य आरोपी छात्राओं की तलाश की जा रही है। थाने के बाहर जुटे रहे आरोपी छात्रा के परिजन-आरोपी छात्रा की गिरफ्तारी की जानकारी मिलने पर उसके परिजन भी थाने के बाहर जुट गए। परिजनों ने बताया कि दर्ज रिपोर्ट को खत्म कराने और गिरफ्तारी पर रोक लगवाने के लिए पांचों छात्राओं ने हाईकोर्ट इलाहाबाद की शरण ली थी। उनका दावा है कि एक छात्रा को हाईकोर्ट से गिरफ्तारी पर स्टे का आदेश मिल गया शेष चारों आरोपी छात्राओं के प्रार्थना पत्र पर सुनवाई के लिए 30 मार्च की तिथि निर्धारित थी।

चंदौसी बड़ा बाजार में सब्जी कारोबारी को गोली मारी, जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में हुआ बवाल

चंदौसी के बड़े बाजार में जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में बवाल हो गया। दुकान निर्माण को लेकर हुई कहासुनी के बाद लाठी-डंडे चले और फायरिंग हुई।चंदौसी के बड़े बाजार में जमीनी विवाद पर बवाल हुआ सब्जी कारोबारी निखिल गुप्ता के हाथ में गोली लगी- पुलिस ने गोली चलाने वाले के भाई को हिरासत में लियाशहर के बड़े बाजार में सुबह को बवाल हो गया। जमीन के विवाद में दो कारोबारी पक्ष आमने-सामने आ गए। कहासुनी और लाठी-डंडे चलने के बाद फायरिंग हो गई। गोली सब्जी कारोबारी के हाथ में लगने से वह घायल हो गए। मामले की जानकारी मिलने पर पहुंची पुलिस ने एक व्यक्ति को हिरासत में ले लिया है। घटना से शहर में हलचल मच गई।चंदौसी के बड़े बाजार में बवाल, जमीनी विवाद में सब्जी कारोबारी को मारी गोली बड़े बाजार में पुरानी सब्जी मंडी में निखिल गुप्ता पक्ष द्वारा चार दुकानों का निर्माण कराया जा रहा है।
जिस जमीन पर दुकानें बन रही हैं। उस जमीन पर बड़े बाजार में घड़ी की दुकान चलाने वाले व्यापारी निशांत वार्ष्णेय भी अपना दावा कर रहे हैं। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में कई दिनों में तनातनी का माहौल बना हुआ है।हाथ में गोली लगने से हुए घायल, पुलिस ने गोली चलाने वाले के भाई को पकड़ा, हंगामा इस क्रम में शनिवार की सुबह करीब साढ़े आठ बजे निखिल गुप्ता, उनके भाई अर्पित और पिता गोपीराम दुकानों पर पहुंचे और शटर लगवाने का शुरू करवा दिया। आरोप है कि निशांत व उसका भाई प्रशांत आए और लाठी-डंडों के साथ मारपीट करते हुए तमंचे से फायरिंग कर दी। जिससे गोली निखिल के बाए हाथ में गोली लग गई। उन्हें सीएचसी में भर्ती कराया गया।

मुरादाबाद में किशोरी की परिस्थितियों में मौत, प्रेमी ने परिवार पर लगाया हत्या का आरोप

पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। किशोरी के परिजनों का कहना है कि वह 15 दिनों से बीमार थी और इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हुई। पुलिस मामले की जांच कर रही है, जिसमें प्रेम प्रसंग का एंगल भी शामिल है।किशोरी की संदिग्ध परिस्थितियों में मुरादाबाद में मृत्यु हुई प्रेमी ने पुलिस को परिवार पर हत्या का आरोप लगाया- पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही हैकटघर क्षेत्र के मुहल्ला सूरज नगर में संदिग्ध परिस्थितियों में किशोरी की मृत्यु हो गई। किशोरी के प्रेमी ने पुलिस को फोन कर हत्या करने का आरोप लगाते हुए सूचना दे दी। पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। किशोरी के स्वजन का कहना है कि पिछले 15 दिनों से बीमार चल रही थी और कासमास में उपचार के दौरान मृत्यु हुई है। नाबालिग बेटी का मुहल्ले के ही एक युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा था- मुहल्ला सूरज नगर निवासी एक व्यक्ति की नाबालिग बेटी का मुहल्ले के ही एक युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा था। जनवरी माह में किशोरी प्रेमी के साथ फरार हो गई थी। पुलिस ने किशोरी को अगले दिन तलाश लिया था और स्वजन को सौंप दिया था। उधर शुक्रवार की रात किशोरी की संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु हो गई।सुबह शव के अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहे थे स्वजन शनिवार को सुबह शव के अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहे थे। इसी बीच किशोरी के प्रेमी ने पुलिस को सूचना दी कि उसके परिवार वालों ने हत्या कर दी। जानकारी मिलते ही पुलिस में खलबली मच गई। पुलिस मौके पर पहुंची।एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि अभी तक की जांच में सामने आया है कि किशोरी पिछले 15 दिन से बीमार चल रही थी। इसका उपचार कासमास में चल रहा था। कासमास अस्पताल में ही उसकी मृत्यु हुई है। पूरे मामले की जांच की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

नई साप्ताहिक गाड़ी आनंद विहार टर्मिनल-पुरलिया एक्सप्रेस का शेड्यूल निर्धारित

मुरादाबाद रेल मंडल में संचालित नई साप्ताहिक एक्सप्रेस गाड़ी संख्या 14022-14021 का शेड्यूल निर्धारित किया गया है। इसके अनुसार गाड़ी संख्या 14022 साप्ताहिक गुरुवार को मुरादाबाद रेलवे स्टेशन पर सुबह 8=15 बजे आएगी और 8=25 बजे प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन बरेली में 10=10 बजे पहुंचेगी और पांच मिनट के ठहराव के बाद 10=15 बजे अगले गंतव्यों लखनऊ, अयोध्या कैंट आदि स्टेशन होकर पुरुलिया जंक्शन पहुंचेगी।वहीं वापसी में गाड़ी संख्या 14021 साप्ताहिक शुक्रवार को मुरादाबाद में रात 19.38 बजे आएगी और 7=48 बजे आनंद विहार टर्मिनल के लिए प्रस्थान करेगी।

बिजनौर में तेंदुए का हमला: खेत में काम कर रही महिला की मौत, ग्रामीणों का हंगामा

बिजनौर जिले के अफजलगढ़ क्षेत्र में जंगल से सटे खेत में काम कर रही एक महिला पर तेंदुए ने हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस और वन अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। वन रेंजर प्रदीप शर्मा ने बताया कि शुक्रवार शाम हिदायतपुर चौहड़वाला गांव में रंजीत अपनी पत्नी क्रांति देवी (57) के साथ खेत पर काम कर रहा था तभी क्रांति कुछ देर के लिए पास में आराम करने लगी। उन्होंने बताया, अचानक आए तेंदुए ने क्रांति की गर्दन दबोच ली और उसे खेत के अंदर खींच ले गया। हमला होते देख रंजीत ने लाठी लेकर तेंदुए का पीछा किया। हालांकि तेंदुआ महिला को छोड़कर जंगल की ओर भाग गया, लेकिन तब तक उसकी गंभीर चोटों के कारण मौत हो चुकी थी। पुलिस के अनुसार, घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया और उन्होंने विरोध प्रदर्शन करते हुए कालागढ़ मार्ग को जाम कर दिया। थाना प्रभारी विजेंद्र राठी ने बताया कि पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों ने ग्रामीणों को समझाकर शांत कराया, जिसके बाद जाम खुलवाया गया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। वन रेंजर शर्मा ने बताया कि तेंदुए को पकड़ने के लिए इलाके में पिंजरा लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार को सरकारी नियमों के अनुसार मुआवजा दिया जाएगा।

अध्यापक ने की फांसी लगाकर आत्महत्या, शव लटका देख निकलीं पत्नी की चीखें

मुरादाबाद। डिलारी ब्लॉक के गांव मुस्तफा पुर के प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने कमरे की छत में लगे कुंडे में रस्सी का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। छत से नीचे उतरकर कमरे में पहुंची पत्नी की पति का शव देखकर चीख निकल गई। पत्नी की चीख सुन पास पड़ोसी घर में जमा हो गए।पत्नी का कहना है कि एसआईआर का कार्य पूरा नहीं हो पाने के कारण तनाव में थे। रामगंगा विहार फेस टू के एलआईजी-63 में में रहने वाले अतुल त्यागी ने अपने मकान के एक कमरे में प्लास्टिक की रस्सी से छत में लगे कुंडे में फंदा बनाकर खुद को फांसी लगा ली। जिनकी मौके पर मौत हो गई। परिजन फंदे शव को उतारकर निजी चिकित्सालय लेकर भागे लेकिन अतुल त्यागी की पहले ही मौत हो चुकी थी। छत से उतर कर आई उनकी पत्नी स्वाति की पति का शव देख चीख निकल पड़ी। बेटे विभान का रोते-रोते बुरा हाल था। पत्नी स्वाति का कहना है अतुल अपने एसआईआर का कार्य पूरा न हो पाने के पिछले कई दिन परेशान चल रहे थे।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

क्यूँ न लिखूँ सच
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए०एच०प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।
संपादक - नरेश राज शर्मा
मो. 9027776991
RNI NO- UPBIL/2021/83001
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।
क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

डीएम ने ईवीएम वेयरहाउस का किया निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्थाओं को परखा

क्यूँ न लिखूँ सच /अरविंद कुमार / पीलीभीत। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने शनिवार को जिला निर्वाचन कार्यालय परिसर स्थित ईवीएम एवं वीवीपैट वेयरहाउस का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने भवन की स्थिति, सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरे, अग्निशमन उपकरणों तथा मशीनों के रख-रखाव की बारीकी से जांच की।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने वेयरहाउस में साफ-सफाई बनाए रखने तथा सुरक्षा व्यवस्थाओं को और मजबूत करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने की हिदायत दी।

इस दौरान भारतीय जनता पार्टी के विकास वाल्मीकि व भीम सिंह चौहान, समाजवादी पार्टी के अमित पाठक (एडवोकेट) और बहुजन समाज पार्टी के रामसनेही गौतम सहित बन्दोवस्त चकबन्दी अधिकारी, प्रभारी अधिकारी ईवीएम, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी और जिला निर्वाचन कार्यालय का स्टाफ मौजूद रहा।

माँ गोमती गौशाला का डीएम ने किया औचक निरीक्षण, व्यवस्थाएं सुधारने के निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच /अरविंद कुमार / पीलीभीत। जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने शनिवार को कलीनगर तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत हरीपुर मु. फुलहर स्थित माँ गोमती आदर्श पर्यटन गौशाला का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने गौशाला में निराश्रित गौवंशों के लिए भूसा, हरा चारा, पेयजल और साफ-सफाई व्यवस्था का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान डीएम ने गौवंशों की संख्या की जानकारी लेते हुए टिनशेड निर्माण के निर्देश दिए, ताकि पशुओं को बेहतर संरक्षण मिल सके। उन्होंने गौशाला में गोवंशों को गुड़ भी खिलाया और उनके रखरखाव पर संतोष जताते हुए व्यवस्थाओं को और बेहतर करने पर जोर दिया।

जिलाधिकारी ने गौशाला को मॉडल के रूप में विकसित करने की बात कही और निर्देश दिए कि यहां जल्द ही आधुनिक मशीनें लगाकर गोबर से विभिन्न उत्पाद तैयार किए जाएं, जिससे गौशाला आत्मनिर्भर बन सके। उन्होंने साफ-सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने और गौवंशों की संख्या बढ़ाने के निर्देश भी दिए। इस मौके पर उपजिलाधिकारी कलीनगर, ग्राम प्रधान सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

जेवर एयरपोर्ट का लोकार्पण: बरेली सहित पूरे यूपी को मिली विकास की नई उड़ान

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा/ बरेली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जेवर स्थित आज नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का भव्य लोकार्पण किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में तैयार यह ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट प्रदेश के 1 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को नई गति देगा। यह एयरपोर्ट अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है, जिसकी शुरुआती यात्री क्षमता लगभग 1.2 करोड़ प्रतिवर्ष है, जिसे भविष्य में 7 करोड़ तक बढ़ाया जाएगा। वहीं कार्गो क्षमता भी 2.5 लाख टन से बढ़ाकर 15 लाख टन तक की जाएगी। एयरपोर्ट की खासियतों में मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी, डिजियात्रा आधारित डिजिटल सिस्टम, लॉजिस्टिक्स हब, एमआरओ सुविधाएं और ग्रीन एनर्जी आधारित 'नेट जीरो एमिशन' डिजाइन शामिल हैं। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का सीधा लाभ जनपद बरेली को भी मिलेगा। यहां के ओडीओपी उत्पाद अब राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक आसानी से पहुंच सकेंगे। स्थानीय उद्योग, कृषि और सेवा क्षेत्र को नई रफ्तार मिलेगी, जबकि युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। यमुना एक्सप्रेस वे समेत प्रमुख मार्गों से जुड़ा यह एयरपोर्ट प्रदेश में आवागमन को और आसान बनाएगा। प्रस्तावित मेट्रो, बस और टैक्सी नेटवर्क इसे मल्टी-मॉडल ट्रांजिट हब के रूप में विकसित करेगा। स्थानीय व्यापारी और उद्यमियों ने खुशी जताते हुए कहा कि इस परियोजना से व्यापार, पर्यटन और निवेश को बड़ा बढ़ावा मिलेगा। करीब 1 लाख करोड़ रुपये के संभावित आर्थिक योगदान के साथ जेवर एयरपोर्ट उत्तर प्रदेश की प्रगति का नया इंजन बनने जा रहा है। यह परियोजना 'लोकल से ग्लोबल' के सपने को साकार करते हुए प्रदेश को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगी।

मिशन शक्ति 5.0 के तहत खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन, बेटियों ने दिखाए जौहर

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा/ बरेली। मिशन शक्ति 5.0 (द्वितीय चरण) अभियान एवं बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेडियम रोड नंबर 4 पर शनिवार को भव्य खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय राज्य महिला आयोग की सदस्या पुष्पा पांडे ने की, जबकि जिला प्रोबेशन अधिकारी मोनिका राणा भी मौजूद रहीं। कार्यक्रम की शुरुआत माननीय सदस्या द्वारा प्रचार-प्रसार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने के साथ हुई। यह वाहन भोजीपुरा, फरीदपुर, क्यारा सहित विभिन्न क्षेत्रों में महिला कल्याण योजनाओं का प्रचार-प्रसार करेगा। इसके बाद रेलवे स्टेडियम में 100 मीटर दौड़ और कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित की गई। दौड़ में 10 और कबड्डी में 14 बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विभिन्न विद्यालयों की छात्राओं ने प्रतिभा का प्रदर्शन किया। 100 मीटर दौड़ में धर्मशिखा ने प्रथम, निशा ने द्वितीय और तुलसी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं कबड्डी प्रतियोगिता में रोशनी, ट्विंकल, सरला, मीनू, सलोनी, जीतू और पलक की टीम विजेता रही। माननीय सदस्या द्वारा सभी प्रतिभागियों को ट्रैकसूट वितरित किए गए तथा विजेताओं को मेडल, स्मृति चिन्ह और कैप देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों और दर्शकों को रिफ्रेशमेंट भी वितरित किया गया। इस अवसर पर पार्षद सुधा सक्सेना सहित कई अधिकारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

जिला अस्पताल से 21 दिन की बच्ची चोरी, पिता ने दी तहरीर, पुलिस संदिग्ध मान रही मामला

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा/ बरेली। बच्चा चोरी का मामला सामने आया है। पत्नी को दवा दिलाने और 21 दिन की बच्ची का जन्म प्रमाणपत्र बनवाने जिला अस्पताल आए शख्स ने शुक्रवार रात कोतवाली पहुंचकर तहरीर दी। वहीं पत्नी बच्ची के चोरी होने की इससे अलग बयान दे रही है। पुलिस ने अस्पताल में लगे कैमरों की फुटेज खंगाली तो उसमें भी कुछ नहीं दिखा। ऐसे में पुलिस घटना को संदिग्ध मान रही है। कोतवाल सुरेश चंद्र गौतम ने बताया कि इज्जतनगर के परतापुर चौधरी गांव निवासी मकसूद ने रात 11 बजे उन्हें तहरीर देकर बताया कि वह पत्नी शबाना और 21 दिन की बच्ची को लेकर दिन में शहर आए थे। पत्नी को दवा दिलानी थी और बच्ची का जन्म प्रमाणपत्र बनवाना था। पत्नी को दवा लेने के लिए उन्होंने जिला अस्पताल में छोड़ दिया और वह जिला अस्पताल में ही सीएमओ दफ्तर की ओर जन्म प्रमाणपत्र लेने चले गए थे। पेड़ों के पास बेहोश मिली पत्नी -मकसूद के मुताबिक, उन्होंने अपनी पत्नी को देखा तो वह उस जगह नहीं मिलीं जहां उन्हें छोड़ा था। काफी तलाश करने के बाद शाम साढ़े पांच बजे पत्नी उन्हें जिला अस्पताल में पेड़ों के पास बेहोश मिलीं। इस दौरान उनकी 21 दिन की बच्ची लापता थी। मकसूद ने आशंका जताई कि उनकी पत्नी को नशा देकर किसी गिरोह ने उनकी 21 दिन की बच्ची को चुरा लिया है। एसपी सिटी मानुष पारीक ने बताया कि मामले की सूचना मिली है। सीसीटीवी फुटेज चेक कराई जा रही है। रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। जिला अस्पताल के प्रभारी एडीएसआईसी डॉ. आरसी दीक्षित ने बताया कि देर रात बच्ची के लापता होने की सूचना मिलने पर सिक्योरिटी गार्ड से भी पूछा, लेकिन उसने ऐसे किसी प्रकरण से इन्कार किया है। अवकाश होने से ओपीडी सेवा व कार्यालय भी बंद थे। जिला अस्पताल के प्रभारी एडीएसआईसी डॉ. आरसी दीक्षित ने बताया कि देर रात बच्ची के लापता होने की सूचना मिलने पर सिक्योरिटी गार्ड से भी पूछा, लेकिन उसने ऐसे किसी प्रकरण से इन्कार किया है। अवकाश होने से ओपीडी सेवा व कार्यालय भी बंद थे।

सैटेलाइट हादसा...जांच पर टिकी निगाहें, कमेटी के पिटारे से निकलेगा क्या

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा/ बरेली। सैटेलाइट बस स्टेंड पर हुए हादसे के लिए जिम्मेदार कौन, यह जानने के लिए हर कोई नगर निगम की ओर देख रहा है।

हरदोई के ट्रक ड्राइवर की मौत के मामले में किस पर गाज गिरे, इस सवाल का जवाब जांच रिपोर्ट से भी मिल सकता है। तय समय के हिसाब से अपर नगर आयुक्त शशि भूषण राय की अध्यक्षता में बनी कमेटी आज अपनी रिपोर्ट नगरायुक्त को सौंप सकती है। तौहीद की मौत ने न केवल नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए, बल्कि यह भी उजागर किया है कि कैसे एक साल से खुले पड़े जानलेवा नाले की अनदेखी की गई थी। इसलिए सबकी निगाहें इस जांच रिपोर्ट पर टिकी हैं कि क्या वास्तव में दोषियों पर गाज गिरेगी या मामला फाइलों में दबकर रह जाएगा। तौहीद की मौत महज एक दुर्घटना नहीं, बल्कि घोर लापरवाही का नतीजा मानी जा रही है। मई 2025 में नाले की सफाई के दौरान स्लैब टूट गया था,

जिसे साल बीतने के बाद भी ठीक नहीं किया गया। रोडवेज अफसरों की ओर से नगर निगम को बार-बार पत्र लिखे जाने के बावजूद किसी ने सुध नहीं ली। जांच कमेटी के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि हजारों यात्रियों की आवाजाही वाले सैटेलाइट बस स्टैंड जैसे व्यस्त इलाके में नाला बिना स्लैब के क्यों छोड़ा गया? वहां लगाए गए बैरियर इतने कमजोर क्यों थे कि वे एक व्यक्ति का वजन तक नहीं सह सके? सूत्रों के मुताबिक, जांच रिपोर्ट में केवल तकनीकी खामियों का ही जिक्र नहीं होगा, बल्कि उन अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका की भी समीक्षा की गई है, जिनके पास इस क्षेत्र के नालों के रखरखाव की सीधी जिम्मेदारी थी। बता दें कि मंगलवार रात करीब 9-30 बजे तौहीद बस पकड़ने के सैटेलाइट पहुंचा और कुछ खाने के बाद अचानक खुले नाले में समा गया था। करीब 30 घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन में तौहीद का शव नाले के गहरे मलबे और सिल्ट के बीच से बरामद किया गया।

मामूली विवाद में चाकू मारकर हत्या, इलाज के दौरान हुई मौत

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा/ बरेली। इज्जतनगर थाना क्षेत्र में मामूली कहासुनी ने एक छात्र की जान ले ली। इंटर के 17 वर्षीय छात्र शिवा पटेल की उसके ही दोस्तों द्वारा चाकू से हमला कर हत्या कर दी गई। गंभीर रूप से घायल शिवा को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां ऑपरेशन के बावजूद शनिवार तड़के उसकी मौत हो गई। इस घटना से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है, जबकि इलाके में दहशत और आक्रोश का माहौल है। जानकारी के अनुसार, इज्जतनगर की सैनिक कॉलोनी निवासी शिवा पटेल को शुक्रवार शाम उसका परिचित मानव राजपूत घर से बुलाकर संजयनगर के चार खंभा इलाके में ले गया। बताया जाता है कि वहां पहले से ही कुछ युवक मौजूद थे। बातचीत के दौरान किसी बात को लेकर कहासुनी शुरू हो गई, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और शिवा को तत्काल एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए तुरंत ऑपरेशन किया, लेकिन उसके शरीर में गहरे घाव होने के कारण हालत लगातार नाजुक बनी रही। आखिरकार शनिवार सुबह करीब चार बजे इलाज के दौरान शिवा ने दम तोड़ दिया। छात्र की मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। मां-बाप और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं सैनिक कॉलोनी और आसपास के क्षेत्रों में इस घटना के बाद लोगों में भय और आक्रोश का माहौल देखा जा रहा है। पुलिस ने मृतक के पिता केहरी सिंह की तहरीर के आधार पर पांच नामजद समेत आठ आरोपियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने दो संदिग्ध आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश में कई स्थानों पर दबिश दी जा रही है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

जनपद में गेहूँ खरीद व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह सक्रिय

क्यूँ न लिखूँ सच /श्याम जी कश्यप /फरूखाबाद / रबी विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत जनपद में गेहूँ खरीद व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में आज एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें समस्त क्रय एजेंसियों के जिला स्तरीय अधिकारी, नायब तहसीलदार, मंडी सचिव एवं केंद्र प्रभारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने गेहूँ खरीद प्रक्रिया को सुव्यवस्थित, पारदर्शी एवं किसान हितैषी बनाने पर जोर देते हुए कई अहम निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि जनपद में स्वीकृत 42 स्थायी एवं 3 मोबाइल गेहूँ क्रय केंद्रों को 30 मार्च 2026 से पूर्ण रूप से क्रियाशील करते हुए खरीद कार्य प्रारंभ किया जाएगा। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी क्रय केंद्र प्रभारी न्यूनतम 100 किसानों का पंजीकरण सुनिश्चित करें, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित सहकारी समितियों के केंद्रों पर कम से कम 200 पंजीकरण कराते हुए खरीद को बढ़ावा दिया जाए। इसके साथ ही सभी केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं जैसे पर्याप्त बोरे, इलेक्ट्रॉनिक कांटे, छलना, विनोइंग फैन, नमीमापक यंत्र एवं किसानों के लिए बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। मंडी से समन्वय कर इन व्यवस्थाओं को समय से सुनिश्चित करने को कहा गया। किसानों के भुगतान में किसी प्रकार की देरी न हो, इसके लिए पंजीकरण के समय एनपीसीआई मैपर पर आधार संख्या को बैंक के माध्यम से अपडेट कराने के लिए जागरूकता बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि गेहूँ खरीद पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर होगी। यदि किसी केंद्र पर प्रतिदिन 30,000 कुंतल से अधिक आवक होती है, तो टोकन प्रणाली लागू की जाएगी और उसका पूरा रिकॉर्ड संधारित किया जाएगा। इसके अलावा, सभी क्रय केंद्रों का पंजीकरण भारत सरकार के पोर्टल पीसीएसएपी पर अनिवार्य रूप से कराने तथा फील्ड स्तर पर सत्यापन के साथ सही सूचनाएं एवं फोटोग्राफ अपलोड करने के निर्देश दिए गए, ताकि केंद्रों को बेहतर ग्रेडिंग मिल सके। पीसीएफ संस्था के नए केंद्र प्रभारियों को विशेष प्रशिक्षण देने की भी बात कही गई। अंत में जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि गेहूँ खरीद प्रक्रिया को पूरी पारदर्शिता और सुचारुता के साथ संचालित किया जाए, जिससे किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और शासन की मंशा के अनुरूप कार्यान्वयन सुनिश्चित हो सके।

मार्च खत्म होने से पहले संपत्ति कर जमा करने की होड़

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा/ बरेली। मार्च माह के समाप्त होने से पहले नगर निगम में संपत्ति कर जमा करने को लेकर करदाताओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। अंतिम तिथि नजदीक आने के कारण नगर निगम कार्यालयों में करदाताओं की भीड़ बढ़ गई है। लोग लंबी कतारों में लगकर अपने बकाया कर का भुगतान कर रहे हैं। नगर निगम प्रशासन के अनुसार 31 मार्च तक संपत्ति कर जमा करने पर किसी प्रकार का अतिरिक्त ब्याज नहीं लगेगा। वहीं 1 अप्रैल से बकाया कर पर नियमानुसार ब्याज लगाया जाएगा। इसी वजह से करदाता समय सीमा से पहले ही अपने बिल निपटाने में जुटे हुए हैं। निगम द्वारा करदाताओं की सुविधा के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों विकल्प उपलब्ध कराए गए हैं। कई लोग निगम की वेबसाइट और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से घर बैठे ही भुगतान कर रहे हैं, जबकि कुछ लोग काउंटर पर पहुंचकर नकद या अन्य माध्यमों से कर जमा कर रहे हैं। नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य ने बताया कि राजस्व वसूली बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। साथ ही करदाताओं से अपील की गई है कि वे अंतिम तिथि का इंतजार न करें और समय रहते अपना संपत्ति कर जमा कर दें, ताकि अतिरिक्त ब्याज से बचा जा सके।

जनपद में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं को लेकर प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाते हुए जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए

क्यूँ न लिखूँ सच /श्याम जी कश्यप /फरूखाबाद / जनपद में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं को लेकर प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाते हुए जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए। कलेक्ट्रेट सभागार, फतेहगढ़ में जिलाधिकारी श्री आशुतोष कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में विद्यालयों के प्रबंधकों को विशेष रूप से चेतावनी दी गई कि अनफिट वाहनों का संचालन किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बैठक में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार फरवरी 2026 तक जनपद में 81 सड़क दुर्घटनाएं दर्ज हुईं, जिनमें 51 लोगों की मौत हुई। जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में 65 दुर्घटनाओं में 40 लोगों की जान गई थी। दुर्घटनाओं में इस वृद्धि पर जिलाधिकारी ने गहरी चिंता व्यक्त करते हुए पुलिस और परिवहन विभाग को सख्त प्रवर्तन कार्रवाई के निर्देश दिए। एआरटीओ द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक जनपद में 486 स्कूल वाहन पंजीकृत हैं, जिनमें से 130 वाहनों की फिटनेस समाप्त हो चुकी है। इनमें 33 वाहन 15 वर्ष से अधिक पुराने हैं, जबकि नियमानुसार स्कूली वाहनों की अधिकतम आयु 15 वर्ष निर्धारित है। इसके अलावा 218 वाहनों के परमिट भी समाप्त पाए गए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि 1 अप्रैल से 15 अप्रैल 2026 तक विशेष अभियान चलाकर सभी अनफिट स्कूल वाहनों को सीज किया जाएगा। साथ ही बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) और जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) को ऐसे विद्यालयों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए मान्यता समाप्त करने और एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा जनपद में पंजीकृत 110 निजी एम्बुलेंस में से 53 की फिटनेस समाप्त पाई गई है। इस पर जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग, पुलिस और परिवहन विभाग को अस्पतालों में सघन जांच अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं, ताकि नियमों का उल्लंघन करने वाले अस्पतालों पर भी कार्रवाई की जा सके। जिलाधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि सड़क दुर्घटनाओं में शामिल वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस मोटर वाहन अधिनियम 1988 की धारा-19 के तहत निरस्त किए जाएंगे। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी, पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों सहित विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। प्रशासन के इस सख्त रुख से साफ है कि आने वाले दिनों में सड़क सुरक्षा नियमों के उल्लंघन पर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

गोमती उद्गम स्थल से निकली पदयात्रा, नदी संरक्षण का संदेश

क्यूँ न लिखूँ सच /अरविंद कुमार / पीलीभीत। माधौटांडा स्थित माँ गोमती उद्गम स्थल पर शनिवार को माँ गोमती दर्शन यात्रा-2026 का विधिवत शुभारम्भ हुआ। प्रदेश के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) वन, पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन विभाग डॉ. अरुण कुमार, विधायक पूरनपुर बाबूराम पासवान, जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह व अन्य जनप्रतिनिधियों ने हवन-पूजन कर माँ गोमती की आराधना की और नदी को स्वच्छ, निर्मल एवं अविरल बनाने का संकल्प लिया। यह पदयात्रा 28 मार्च से प्रारम्भ होकर 5 अप्रैल 2026 को लखनऊ में सम्पन्न होगी। कार्यक्रम के दौरान आयोजित गोष्ठी में वक्ताओं ने माँ गोमती को 'आदि गंगा' बताते हुए इसके ऐतिहासिक, धार्मिक और जीवनदायिनी महत्व पर प्रकाश डाला। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गोमती की अविरल धारा बनाए रखने के लिए प्रभावी प्रबंधन किया जाए। नदी किनारे वृक्षारोपण, अतिक्रमण हटाने, तथा बेस फ्लो बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही नदी में गिरने वाले नालों, सीवेज व औद्योगिक अपशिष्ट के शोधन की व्यवस्था सुनिश्चित करने और प्रदूषण पर पूर्ण रोक लगाने के निर्देश दिए गए। गोष्ठी में उपस्थित लोगों ने भी माँ गोमती की निरंतर धारा के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की। वक्ताओं ने कहा कि यह यात्रा जनजागरण और जनभागीदारी के माध्यम से नदी संरक्षण के लिए व्यापक अभियान को गति देगी।

आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर वृहद प्रशिक्षण, 225 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

क्यूँ न लिखूँ सच /अरविंद कुमार / पीलीभीत। जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह के निर्देशन में शनिवार को जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, पीलीभीत एवं उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, लखनऊ के समन्वय से बेनहर पब्लिक स्कूल में आपदा जोखिम न्यूनीकरण विषय पर एक दिवसीय वृहद जनपद स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में स्वयं सहायता समूहों की 125 महिलाओं सहित विभिन्न विभागों के 100 अधिकारी-कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) रोशनी यादव ने की। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि आपदाओं से होने वाली जन-धन की हानि को जागरूकता और पूर्व तैयारी के माध्यम से कम किया जा सकता है। उन्होंने प्रतिभागियों से प्रशिक्षण में प्राप्त जानकारी को आमजन तक पहुंचाने की अपील की। उपजिलाधिकारी पवन कुमार सिंह ने भूकंप, बाढ़, आकाशीय बिजली एवं अन्य आपदाओं से बचाव के उपायों पर विस्तार से जानकारी दी। वहीं मास्टर ट्रेनरों ने आपदा प्रबंधन में महिलाओं की भूमिका और राहत कार्यों के मानकों पर प्रकाश डाला। प्रशिक्षण के दौरान वन विभाग द्वारा मानव-वन्यजीव संघर्ष, अग्निशमन विभाग द्वारा आगजनी से बचाव तथा चिकित्साधिकारी डॉ. इमरान द्वारा सीपीआर एवं प्राथमिक उपचार का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को आईईसी सामग्री वितरित की गई तथा आपदा प्रबंधन से संबंधित लघु फिल्मों का प्रदर्शन भी किया गया। अंत में फीडबैक लेकर कार्यक्रम का समापन किया गया।

आपातकालीन स्थितियों से निपटने की तैयारियों को मजबूत करने के उद्देश्य से एक व्यापक मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच /श्याम जी कश्यप /फरूखाबाद / जनपद के गैसिंगपुर स्थित गैस बॉटलिंग प्लांट में आज आपातकालीन स्थितियों से निपटने की तैयारियों को मजबूत करने के उद्देश्य से एक व्यापक मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी एवं पुलिस अधीक्षक आरती सिंह स्वयं मौके पर मौजूद रहे और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मॉक ड्रिल में गैस प्लांट प्रशासन के साथ-साथ जिला प्रशासन, पुलिस विभाग, स्वास्थ्य विभाग और अग्निशमन विभाग ने संयुक्त रूप से भाग लिया। अभ्यास के दौरान संभावित गैस रिसाव और अन्य आपात परिस्थितियों की स्थिति उत्पन्न कर त्वरित प्रतिक्रिया, राहत एवं बचाव कार्यों का प्रदर्शन किया गया। अधिकारियों ने ड्रिल के दौरान विभिन्न व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने और आपदा की स्थिति में सतर्क एवं सक्रिय रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस तरह के नियमित अभ्यास से किसी भी आपात स्थिति में समय रहते प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सकती है। मॉक ड्रिल के माध्यम से यह भी सुनिश्चित किया गया कि सभी संबंधित विभागों के बीच बेहतर तालमेल बना रहे और आपदा प्रबंधन प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ किया जा सके।

सातनपुर आलू मंडी में किसानों के साथ हो रही कथित लूट पर प्रशासन को कड़ी चेतावनी दी

क्यूँ न लिखूँ सच /श्याम जी कश्यप /फरूखाबाद / भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के राष्ट्रीय महासचिव राजवीर सिंह जादौन ने आज जिला कार्यालय नेकपुर चौरासी, फर्रुखाबाद पहुंचकर प्रेस वार्ता की और जिला पदाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। इस दौरान उन्होंने लिंक एक्सप्रेसवे के लिए हो रहे जमीन अधिग्रहण और सातनपुर आलू मंडी में किसानों के साथ हो रही कथित लूट पर प्रशासन को कड़ी चेतावनी दी। प्रेस वार्ता में जादौन ने कहा कि फर्रुखाबाद लिंक एक्सप्रेसवे के लिए किसानों की जमीन जबरदस्ती अधिग्रहित नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस पूरे मामले पर संगठन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत की नजर बनी हुई है। सरकार पहले किसानों को उचित मुआवजा दे, उसके बाद ही अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू करे। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि किसी भी किसान पर दबाव बनाया गया या जबरन जमीन लेने की कोशिश की गई तो किसान यूनियन इसका पुरजोर विरोध करेगी और इसे किसानों की जमीन पर 卐दिनदहाड़े डकैती卐 नहीं होने देगी। इसके साथ ही उन्होंने एशिया की बड़ी मानी जाने वाली सातनपुर आलू मंडी में व्याप्त समस्याओं को भी गंभीर बताया। जादौन ने आरोप लगाया कि मंडी में व्यापारी और अधिकारी मिलकर किसानों का शोषण कर रहे हैं, जिससे आलू उत्पादक किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि किसानों की स्थिति बेहद दयनीय है और इसे देखकर वे खुद भावुक हो गए। उन्होंने जिला प्रशासन, खासतौर पर जिलाधिकारी से मांग की कि इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप कर किसानों को राहत दिलाई जाए। अन्यथा, दोनों मुद्दों-जमीन अधिग्रहण और मंडी शोषण-को लेकर जनपद में बड़ा आंदोलन किया जाएगा। इस संबंध में राकेश टिकैत से भी वार्ता हो चुकी है और जल्द ही आंदोलन की तारीख घोषित की जाएगी। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अजय कटियार, प्रदेश उपाध्यक्ष अरविंद शाक्य, मंडल उपाध्यक्ष लक्ष्मी शंकर जोशी, जिला उपाध्यक्ष कृष्ण गोपाल मिश्रा, ब्रजेश गंगवार, संजीव सोमवंशी, जिला प्रवक्ता गोपी शाक्य, जिला महासचिव अभय यादव, संगठन मंत्री अरविंद गंगवार, युवा जिलाध्यक्ष अनुज राजपूत, मीडिया प्रभारी मुकेश शर्मा सहित कई पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

मंडल क्रीड़ा कार्यालय का उद्घाटन अनावरण किया गया फीता काटकर

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा/ बरेली। मंडल रेल प्रबंधक वीणा सिन्हा ने मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय परिसर में नवीनीकृत मंडल क्रीड़ा कार्यालय का उद्घाटन फलक का अनावरण एवं फीता काटकर किया। उद्घाटन के पश्चात मंडल रेल प्रबंधक वीणा सिन्हा ने कहा कि मंडल के खिलाड़ियों का ज्यादा से ज्यादा उन्नत सुविधायें प्रदान की जाए जिससे वे भविष्य में बिना किसी अवरोध के अपना अच्छा प्रदर्शन कर मंडल का नाम रोशन कर सकें। मंडल क्रीड़ा अधिकारी एवं वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक श्री रत्नेश कुमार सिंह ने बताया कि खिलाड़ियों के लिए नवीनीकृत कार्यालय उपलब्ध हो जाने से खिलाड़ियों के लिए विभागीय एवं खेल से संबंधित कार्य करने में काफी सहूलियत होगी । इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री मनोज कुमार, सभी शाखा अधिकारी, मान्यता प्राप्त यूनियन के पदाधिकारी सहित मंडल क्रीड़ा सचिव, इज्जतनगर गीता शर्मा, खिलाड़ी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

थाने में लगे पीपल के पेड़ से इस बात का था डर, जानें क्यों पुलिस ने इसे रातों रात कटवा दिया

न्यू आगरा थाने में पीपल के पेड़ की कटाई का वीडियो वायरल होने पर विवाद खड़ा हो गया है। पुलिस का कहना है कि बिजली के तारों से करंट फैलने के खतरे के कारण पेड़ की छंटाई कराई गई थी।आगरा के थाना न्यू आगरा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें थाना परिसर में लगे पेड़ को काटा जा रहा है। इसके साथ ही थाना प्रभारी योगेश कुमार सहित अन्य पुलिसकर्मी भी खड़े नजर आ रहे हैं। क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि पीपल के पेड़ को बृहस्पतिवार रात को काटा गया है। इसके बाद लकड़ी को एक ट्रैक्टर ट्राली से भेज दिया गया।डीसीपी सिटी सय्यद अली अब्बास का कहना है कि 28 फरवरी को पेड़ को छंटवाया गया था। पेड़ का एक तना रोड की तरफ झुका गया था जिसमें बिजली के तारों को छूते हुए करंट प्रवाहित हो गया था। थाने के सामने से दयालबाग रोड पर अत्यधिक संख्या में व्यक्तियों का आना जाना रहता है।सुरक्षा को देखते हुए पेड़ की छंटाई करने वाले कर्मचारी बुलाकर पेड़ के तने को छंटवाया गया है। शेष पेड़ बचा हुआ था। 20 मार्च को भी पेड़ की डाली बिल्डिंग की तरफ झुक गई थी जिससे आने जाने वाले लोगों के लिए खतरा बन गया था। बृहस्पतिवार रात में पेड़ की छंटाई फिर से कराई गई थी। इन सभी की पुलिस ने अपनी जनरल डायरी में दर्ज किया है। संबंधित विभागों को भी अवगत कराया गया।

किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिकायतों के निस्तारण में देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी-एसपी

क्यूँ न लिखूँ सच /श्याम जी कश्यप /फरूखाबाद / जनपद में आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान और पुलिस-प्रशासन के प्रति विश्वास को मजबूत करने के उद्देश्य से आयोजित थाना समाधान दिवस के अवसर पर पुलिस अधीक्षक आरती सिंह ने थाना नवाबगंज में पहुंचकर फरियादियों की शिकायतें सुनीं। इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों ने अपनी-अपनी समस्याएं पुलिस अधीक्षक के समक्ष रखीं। एसपी आरती सिंह ने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से निष्पक्ष एवं समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप जनता की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए। किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिकायतों के निस्तारण में देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। थाना समाधान दिवस के दौरान राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे, जिससे भूमि विवाद और अन्य मामलों का मौके पर ही समाधान सुनिश्चित किया जा सके। इस पहल से क्षेत्रीय जनता को राहत मिल रही है और पुलिस प्रशासन के प्रति भरोसा भी मजबूत हो रहा है।

बहेड़ी पुलिस ने गौकशी कांड के वांछित एक और अभियुक्त को किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा/ बरेली । जनपद थाना बहेड़ी क्षेत्र में गौकशी की घटना में शामिल वांछित अभियुक्त के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि शुक्रवार को उपनिरीक्षक शिव कुमार की तहरीर पर मु0अ0सं0 245/2026 धारा 3/5/8 उत्तर प्रदेश गौवध निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था। इसी मामले में पुलिस ने पहले ही 4 आरोपियों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। वहीं, शनिवार को बहेड़ी पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए मोहल्ला शाहगढ़ तिराहे के पास से वांछित अभियुक्त अरमान पुत्र दिलशाद, उम्र करीब 32 वर्ष, निवासी लोधीपुर को गिरफ्तार कर लिया। बताया कि करीब 3 दिन पहले उसने अपने साथियों के साथ मिलकर एक आवारा गौवंशीय पशु को टैम्पो से सुनसान जगह पर ले जाकर उसका वध किया था। इसके बाद मांस बेच दिया गया और अवशेष खेत में ही छोड़ दिए गए। आरोपी ने यह भी स्वीकार किया कि वह और उसके साथी अवैध असलहों के बल पर इस तरह की घटनाओं को अंजाम देते थे, ताकि अपनी आर्थिक जरूरतें पूरी कर सकें। गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ पहले से ही गौवध अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज है

अखिलेश यादव ने पीएम मोदी पर किया पलटवार, बोले- सादर विदाई! सम्मान सहित विदा करेंग

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पीएम मोदी के बयान पर पलटवार किया है। पीएम मोदी ने जेवर एयरपोर्ट का उद्घाटन करते हुए प्रदेश की पूर्ववर्ती सपा सरकार पर जमकर हमले किए। उन्होंने कहा कि पहले की सरकारों ने नोएडा को लूट का एटीएम बना लिया था प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नोएडा में जेवर एयरपोर्ट का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने प्रदेश की पूर्ववर्ती सपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यूपी में देश के सबसे ज्यादा एयरपोर्ट हो गए हैं उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार में नोएडा प्रदेश के विकास का इंजन बन गया है जबकि सपा सरकार ने इसे लूट का एटीएम बना रखा था इस पर पलटवार करते हुए अखिलेश यादव ने एक्स पर बयान दिया कि हमारे प्रदेश में मेहमान बनकर आए हैं, हम उनको मेहमान मानकर ही सम्मान सहित विदा करेंगे। जाने वालों की बात का बुरा नहीं माना जाता है। जब हार साक्षात् दिखने लगती है तो इंसान को न अपने पद का मान रहता है, न ही अपने कथन पर नियंत्रण। उम्र और पद का मान करना हमारे संस्कार में है और हमेशा रहेगा। सादर विदाई! पीएम बोले- जब मैं यहां आया तो डर के कारण नहीं आए थे मुख्यमंत्री प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, नोएडा को पहले अंधविश्वास के कारण अपने हाल पर छोड़ दिया गया था, कुर्सी जाने के डर से पहले के सत्ताधारी यहां आने से डरते थे। मुझे याद है, जब यहां सपा सरकार थी और मैंने नोएडा आने का कार्यक्रम बनाया, तो मुख्यमंत्री इतने डरे हुए थे कि वे उस कार्यक्रम में नहीं आए। मुझे भी डराने की कोशिश की गई, कहा गया, नोएडा मत जाइए, मोदी जी, अभी-अभी प्रधानमंत्री बने हैं। मैंने कहा, मैं उस धरती का आशीर्वाद लेने जा रहा हूं, जो मुझे लंबे अरसे तक सेवा करने का मौका देगी। आज वही इलाका पूरी दुनिया का स्वागत करने के लिए तैयार है। यह पूरा क्षेत्र आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को सशक्त कर रहा है।

देवर-भाभी ने कर ली आत्महत्या, डीजे पर रात में जमकर किया डांस, सुबह एक ही फंदे पर लटकी मिलीं दोनों की लाशें

मैनपुरी के बखतपुर गांव में देवर और भाभी के शव जामुन के पेड़ पर फंदे से लटके मिलने से सनसनी फैल गई। दोनों ने रात में साथ डीजे पर डांस किया था, लेकिन सुबह उनकी मौत की वजह पर परिजन चुप्पी साधे हुए हैं, पुलिस जांच में जुटी है मैनपुरी के थाना एलाऊ क्षेत्र के गांव बखतपुर में देवर और भाभी ने शुक्रवार रात को डीजे पर जमकर डांस किया, सबके सोने के बाद दोनों घर से निकल गए। शनिवार सुबह उनके शव जामुन के पेड़ पर लटके मिले, मौत की वजह आखिर क्या रही, इसे लेकर परिजनों ने चुप्पी साध ली है एलाऊ क्षेत्र के गांव बखतपुर निवासी 18 वर्षीय अखिलेश कश्यप के चाचा भीमसेन शुक्रवार को माता शीतला देवी मंदिर नेजा चढ़ाने के लिए गए थे। अखिलेश, उसकी 30 वर्षीय भाभी सरोजनी और अन्य परिजन भी साथ गए थे। शाम को सभी लोग नेजा चढ़ाकर गांव वापस आ गए थे। रात को घर के बाहर डीजे लगाया गया था। डीजे पर अखिलेश अपनी मौसी के लड़के की पत्नी सरोजनी के साथ जमकर नाचा। रात करीब 11 बजे सभी लोग सोने चले गए। शनिवार की सुबह अखिलेश और भाभी सरोजनी का शव गांव से करीब 400 मीटर पूर्व की तरफ जामुन के पेड़ पर लटका मिला। जानकारी होने के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई। शवों को फंदे से उतरवाने के बाद मोर्चरी भेजा गया है। देवर और भाभी की खुदकुशी के मामले में परिजनों ने चुप्पी साध ली है। वहीं इस मामले में पुलिस जानकारी जुटाने के प्रयास कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

15 वर्षीय किशोरी से दरिंदगीः मेले देखकर आ रही थी घर, गांव के ही युवकों ने बारी-बारी से लूटी आबरू

एटा के जलेसर थाना क्षेत्र में 15 वर्षीय किशोरी के साथ मेले से लौटते समय गांव के युवक और उसके साथियों ने सामूहिक दुष्कर्म किया। पीड़िता की मां की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मेडिकल जांच के लिए भेजा है और आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं एटा के जलेसर थाना क्षेत्र के ग्राम पथैरा में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। मेला देखने गई 15 वर्षीय किशोरी के साथ गांव के ही एक युवक और उसके दो अज्ञात साथियों द्वारा सामूहिक दुष्कर्म (गैंगरेप) किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। पीड़िता की मां की तहरीर पर पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

सिकंदरपुर गांव में एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

क्यूँ न लिखूँ सच /श्याम जी कश्यप /फरुखाबाद / फारुखाबाद मोहम्मदाबाद थाना क्षेत्र के सिकंदरपुर गांव में एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। गांव निवासी कुलदीप प्रजापति की लगभग 30 वर्षीय पत्नी ज्योति का शव बीती रात घर में पंखे से दुपट्टे के सहारे लटका मिला। घटना की सूचना डायल 112 के माध्यम से पुलिस को दी गई, जिसके बाद कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरा और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौके पर पहुंची फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए हैं। मृतका ज्योति अपने पीछे 10 वर्षीय पुत्र कपिल और 6 वर्षीय पुत्री सुंदरी को छोड़ गई हैं। वहीं, मृतका के मायके पक्ष ने इस घटना को संदिग्ध बताते हुए हत्या की आशंका जताई है। मृतका के भाई विपिन का आरोप है कि पूर्व में भी ससुराल पक्ष द्वारा विवाद और मारपीट की घटनाएं हुई थीं। उनका कहना है कि ज्योति की हत्या कर शव को फांसी पर लटकाया गया है। परिजनों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार शुक्ला ने बताया कि अभी तक कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। फौती सूचना के आधार पर आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। तहरीर मिलने पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

रन फॉर इम्पॉवरमेन्ट दौड़ का आज सफलतापूर्वक समापन हुआ

क्यूँ न लिखूँ सच /श्याम जी कश्यप /फरुखाबाद / मिशन शक्ति फेज 5.0 के द्वितीय चरण के अंतर्गत महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित रन फॉर इम्पॉवरमेन्ट दौड़ का आज सफलतापूर्वक समापन हुआ। यह दौड़ पुलिस लाइन फतेहगढ़ से प्रारंभ होकर जिला जेल चौराह तक आयोजित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में स्कूली छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं और महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ाना तथा उन्हें अपने अधिकारों और सुरक्षा के प्रति जागरूक करना रहा। दौड़ के दौरान प्रतिभागियों में उत्साह और ऊर्जा देखने लायक रही, वहीं पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा के व्यापक इंतजाम भी किए गए। समापन के उपरांत सभी प्रतिभागी छात्राओं ने क्षेत्राधिकारी नगर एवं अन्य पुलिस कर्मियों के साथ सामूहिक फोटो खिंचवाकर इस खास पल को यादगार बना लिया। छात्राओं ने अपनी खुशी और उपलब्धि को कैमरे में कैद किया, जो उनके आत्मविश्वास और सशक्तिकरण का प्रतीक बना। पुलिस अधिकारियों ने इस पहल को महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं और महिलाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि महिला सुरक्षा और सम्मान केवल एक अभियान नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

अयोध्या के राजघाट में हो रहे महायज्ञ में अज्ञात कारणों से लगी भीषण आग, मची अफरा-तफरी

अयोध्या के राजघाट में हो रहे महायज्ञ में अज्ञात कारणों से अचानक आग लग गई। घटना से अफरा-तफरी मच गई। मौके पर रेस्क्यू टीम मौजूद है।अयोध्या के राजघाट में हो रहे श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ में अज्ञात कारणों से भीषण आग लग गई।

फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर मौजूद हैं। आग लगने से अफरा-तफरी मच गई।श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ, स्वामी जी महाराज के द्वारा कराया जा रहा है। महायज्ञ परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह की अध्यक्षता में कराया जा रहा है। फायर ब्रिगेड की रेस्क्यू टीम मौके पर मौजूद हैं और रेस्क्यू में जुटी हैं।मौके पर दमकल की चार गाड़ियां आग पर काबू पाने का प्रयास कर रही हैं। लक्ष्मी नारायण महायज्ञ राजघाट बाटी वाले बाबा घाट के निकट चल रहा था तभी आग लग गई।

प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह के साथ गोसाईगंज के विधायक अभय सिंह भी मौजूद हैं। अखिलेश यादव बोले- प्रशासन की कमी- अयोध्या में यज्ञ के बाद लगी आग सही प्रबंधन-प्रशासन की कमी को दर्शाती है। आशा है सब सुरक्षित होंगे। इस बात की जांच हो कि इस यज्ञ की व्यवस्था के पीछे जो आर्थिक और मानवीय स्रोत लगे थे, उनके पीछे कौन था। जनता में फैली ये बात बेहद निंदनीय है कि इस यज्ञ के नाम पर मंत्री जी से संबंधित विभाग से विभागीय स्तर पर बड़ी वसूली हुई और पैसे बचाने के चक्कर में विशेषज्ञों की देखरेख के बिना ही ये आयोजन हुआ।

19,778 प्रीपेड मीटर की बत्ती बंद, पानी तक को तरसे, मुख्य अभियंता बोले- बैलेंस नहीं तो बिजली नहीं

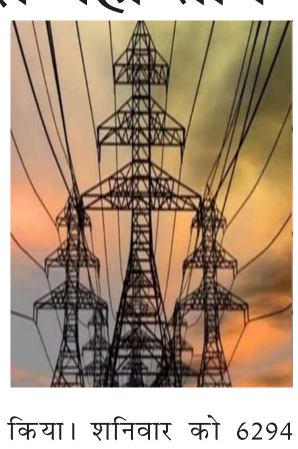

प्रीपेड मीटर में बैलेंस न होने के कारण उपभोक्ताओं की बिजली बंद कर दी गई। वहीं, कई उपभोक्ता ऐसे भी रहे जिन्होंने बिल दिया पर बिजली का कनेक्शन शुरू नहीं हुआ। इस पर उपभोक्ताओं ने कार्यालय में हंगामा किया। बिजली महकमे ने शनिवार सुबह आठ बजे से माइनस बैलेंस वाले बकायेदारों के प्रीपेड मीटरों की बत्ती बंद करना शुरू किया। एक घंटे के भीतर 19,778 घरों, दुकानों व कार्यालयों में अंधेरा हो गया। माइनस बैलेंस के मिले मेसेज के आधार पर बकायेदारों ने रकम को जमा कर दिया। मगर, उसमें भी 30 फीसदी बकायेदारों की बिल जमा होने पर ऑटोमेटिक बत्ती चालू नहीं हुई। ऐसे बकायेदारों ने हुसैनगंज कॉल सेंटर सहित सभी कलेक्शन कार्यालयों में हंगामा किया। शनिवार को 6294 कनेक्शन अमौसी, 3269 गोमतीनगर, 4207 जानकीपुरम व 6008 कनेक्शन लखनऊ मध्य जोन में कटे। दोपहर दो बजे तक बकायेदारों ने 2.17 करोड़ के बिल भी जमा किए। हालांकि, शाम छह बजे तक हुसैनगंज कॉल सेंटर, इंद्रलोक हाइडिल कॉलोनी, पुरनिया उपकेंद्र व मंत्री आवास उपकेंद्र स्थित कार्यालयों में बिल जमा करने कटी बिजली को चालू कराने के लिए जूझते रहे। इससे लोगों को बिजली के संग पानी को भी तरसना पड़ा। जब तक प्लस बैलेंस नहीं होगा, तब ऑटोमेटिक बत्ती नहीं जुड़ेगी लखनऊ मध्य जोन के मुख्य अभियंता रवि कुमार अग्रवाल ने बताया कि जिन बकायेदारों की बिल जमा करने के बाद भी बिजली ऑटोमेटिक चालू नहीं हो रही उनका बैलेंस प्लस नहीं होगा। प्लस बैलेंस का मेसेज सिस्टम पर पहुंचते ही इंटेली स्मार्ट कंपनी के ऑपरेटर कमांड देकर उन्हें जोड़ देते हैं। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की है कि बिल जमा करने से पहले अपने पास के कार्यालय या हेल्पडेस्क पर जाकर जमा होने वाली रकम की जानकारी हासिल कर लें। उपभोक्ता के खाते में बैलेंस प्लस होते ही बत्ती चालू हो जाएगी।

बदायूं दोहरा हत्याकांडः आरोपी अजय और उसके परिजनों पर गैंगस्टर लगाने की तैयारी, अब तक दर्ज हो चुके सात मामले

बदायूं में दोहरे हत्याकांड के आरोपी अजय प्रताप सिंह, उसके परिजन और मददगारों पर गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई हो सकती है। पुलिस ने इसकी प्रक्रिया तेज कर दी है। आरोपी और उसके परिजनों पर अब तक सात मामले दर्ज हो चुके हैं। बदायूं के सैजनी स्थित एचपीसीएल प्लांट में दो अफसरों की हत्या में मुख्य आरोपी अजय के साथ ही उसका सहयोग करने में गिरफ्तार दो अन्य लोगों पर गैंगस्टर एक्ट लगाने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। इन तीन के अलावा यह कार्रवाई परिवार के अन्य लोगों पर भी की जा सकती है, क्योंकि वे अजय के साथ कई अपराधों में शामिल थे और उन पर भी विभिन्न आरोपों में एफआईआर अब तक दर्ज हो चुकी हैं। वहीं पुलिस हत्या की घटना को लेकर रासुका लगाने के लिए संभावनाएं तलाश रही है।12 मार्च को एचपीसीएल प्लांट में डीजीएम सुधीर गुप्ता व सहायक मुख्य प्रबंधक हर्षित की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी सैजनी गांव निवासी अजय प्रताप सिंह व दो अन्य लोगों को गिरफ्तार किया था। तीनों आरोपी जेल में हैं। वहीं, आरोपी के ताऊ राकेश सिंह, उसके पिता व भाइयों के खिलाफ भी अलग-अलग आरोपों में पुलिस केस दर्ज कर चुकी है बिजली चोरी से लेकर, ग्राम समाज की जमीनों पर अवैध कब्जे समेत कई गंभीर आरोप इन सभी पर लगे हैं। मूसाझाग थाने में चार, एक बिजली थाने में व दो मुकदमा तहसीलदार दातागंज कोर्ट में दर्ज हो चुके हैं। ऐसे में यह एक गिरोह बनकर सामने आया है। इसी के चलते पुलिस हत्या के घटनास्थल का बारीकी से छानबीन कर अजय के खिलाफ रासुका लगाने की संभावनाएं भी तलाश रही है। मामले में दर्ज होगा केस-सैजनी गांव में अजय का परिवार सड़क किनारे ग्राम समाज की भूमि पर कब्जा करके यहां पर सप्ताह में दो दिन बाजार लगवाकर दुकानदारों से तहबाजारी वसूलकर लाखों की कमाई करता था। मामला जानकारी आने पर एसडीएम ने बाजार का संचालन बंद करवा दिया था। अब इस मामले में दोषियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की जा रही है। एसडीएम दातागंज धर्मेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि तहबाजारी के मामले में जो दोषी है, उनके खिलाफ जल्द ही मूसाझाग थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई जाएगी।

इसरो एक्सपोजर विजिट से लौट खुशी और पीयूष, विद्यालय में हुआ जोरदार स्वागत

आगरा के परिषदीय विद्यालयों के दो छात्रों ने पहली बार हवाई यात्रा कर इसरो मुख्यालय का दौरा किया और अंतरिक्ष विज्ञान की बारीकियां सीखीं। विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर चयनित इन बच्चों की उपलब्धि से अन्य छात्र भी प्रेरित हो रहे हैं परिषदीय विद्यालयों के छात्र-छात्राओं के लिए पहली बार हवाई यात्रा के साथ इसरो मुख्यालय देखने का अवसर यादगार बन गया। उच्च प्राथमिक विद्यालय रैपुरा अहीर कंपोजिट विद्यालय अछनेरा की छात्रा खुशी और उच्च प्राथमिक विद्यालय कुकंडई खेरागढ़ के छात्र पीयूष चार दिवसीय एक्सपोजर विजिट पूरी कर बंगलूरू से शुक्रवार को लौटे। विद्यालय में उनका जोरदार स्वागत किया गया।दोनों विद्यार्थियों का चयन बेसिक शिक्षा विभाग के राष्ट्रीय आविष्कार अभियान की विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता के आधार पर हुआ था। प्रतियोगिता में खुशी ने पंक्चर डिटेक्टर मॉडल से प्रथम और पीयूष ने इंसुलेटेड वाटर बोतल विद कांस्टेंट टेंपरेचर से द्वितीय स्थान प्राप्त किया था। एक्सपोजर विजिट में विद्यार्थियों ने इसरो मुख्यालय सहित बंगलूरू के विभिन्न विज्ञान संस्थानों का भ्रमण किया। विशेषज्ञों से उपग्रह, प्रक्षेपण यान की असेंबली और अंतरिक्ष विज्ञान की बारीकियां समझीं। नई दिल्ली से 24 मार्च को डोमेस्टिक फ्लाइट से रवाना हुए विद्यार्थी 27 मार्च को लौटे। इस एक्सपोजर विजिट से दोनों बच्चों के साथ-साथ अन्य सभी विद्यालयों के बच्चे भी प्रेरित हुए हैं। सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक) चंद्रशेखर, डायट प्राचार्य अनिरुद्ध यादव, बीएसए जितेंद्र गोंड, खंड शिक्षा अधिकारी सौरभ आनंद, महेश पटेल, डायट प्रवक्ता मेंटर डॉ. मनोज कुमार वार्ष्णेय व धर्मेंद्र प्रसाद गौतम ने बधाई दी। उन्होंने इसे शिक्षकों की मेहनत का परिणाम बताया।

What are the health risks of eating expired eggs? Check for yourself whether they're edible or not.

If you eat eggs, this article is extremely useful. Here, we'll explain the potential risks of eating expired eggs. Eggs are a superfood loved in almost every household. Rich in protein, vitamins, and essential nutrients, eggs are considered extremely beneficial for health. However, we often consume eggs without checking them, which can be detrimental to our health.In such a situation, everyone needs to understand that this can cause serious health problems. Therefore, it's crucial to know the correct way to determine the freshness of eggs. Identifying a bad egg early can prevent many health problems. Here, we'll explain the risks of eating expired eggs and how to identify them. Risk of food poisoning: Harmful bacteria like Salmonella multiply rapidly in bad eggs. When consumed, these bacteria attack the digestive system. This can cause severe stomach pain, frequent diarrhea, vomiting, and sometimes even dehydration. This condition can be more dangerous for young children, the elderly, and those with weakened immunity. Vomiting and nausea - A spoiled egg releases toxins into the body, causing the body to react immediately. This is why symptoms like nausea, vomiting, and dizziness appear shortly after eating it. This is the body's way of expelling the harmful elements. Fever and weakness - When a bacterial infection grows in the body, the immune system becomes active to eliminate it. This process can cause the body temperature to rise, leading to a fever. Additionally, one may feel weakness, fatigue, and lethargy. Effect on the immune system - Repeatedly eating spoiled or expired food weakens the body's immune system. This can make it more susceptible to even minor illnesses, and recovery time is longer. How to identify expired eggs? This is the easiest and most effective way to check the freshness of eggs. With time, the amount of air inside the egg increases, due to which it starts floating in water. Fresh egg- settles completely at the bottom Old egg- tilts slightly and rises up Bad egg- floats completely on the surface (do not eat this at all) Egg is an excellent source of nutrition, but it is very important to pay attention to its quality. Expired or bad egg can cause serious harm to your health. Therefore, always check the egg before using it. A little caution can save you from food poisoning and other diseases.

One morning mistake causes most heart attacks! This news is important for everyone.

In today's times, the number of heart attacks is rapidly increasing. Therefore, we all need to understand whether this is due to our own mistakes. Let's find out what Japanese cardiologists have to say about this. In today's fast-paced life, the number of heart attacks is rapidly increasing. The situation has become such that even young people are becoming victims. While poor diet, stress, lack of sleep, and irregular routines are becoming major causes, we need to understand that even some small everyday habits, which we often ignore, have a profound impact on heart health. Indeed, the morning is extremely important for the body, but a common mistake made during this time can increase the risk of heart attack. Therefore, it is important to understand and improve our morning habits. In this article, we'll explain the common mistakes that can pose a risk to your heart and how to avoid them. This morning mistake can increase the risk of a heart attack: waking up suddenly and getting busy with your chores. Most people get out of bed immediately after waking up and start exercising, running, or doing heavy work. This is completely the wrong approach. Let's explore how this can lead to a heart attack. Why is this habit dangerous? 1. Sudden change in blood pressure: Upon waking from sleep, the body's circulating blood pressure gradually increases. If you immediately stand up and begin work, your blood pressure suddenly rises. This puts excessive pressure on the blood vessels and heart, which can lead to a heart attack or stroke. 2. Heart stress: Stress is a major cause of heart attacks. Sudden activity in the morning forces the heart to pump blood faster. This sudden stress increases the load on the heart muscles and can be dangerous for people with weak hearts. 3. Less oxygen to the brain and heart - The body and brain need adequate oxygen upon waking. Waking up suddenly slows down the oxygen supply, increasing the risk of dizziness, weakness, and sometimes even a fall. 4. Higher risk for high-risk individuals - This habit can be even more serious for those with high blood pressure, diabetes, or pre-existing cardiac conditions. The sudden increase in pressure on their heart can lead to a heart attack or emergency. What is the right way? - Sit in bed for 1-2 minutes as soon as you wake up in the morning. Slowly stretch your body. Avoid standing up suddenly. Take a deep breath and let your body return to normal. Then slowly begin your day. Always remember that even the slightest carelessness can become a major problem. By adopting the right method of waking up in the morning, you can significantly reduce the risk of a heart attack.

These yoga poses will relieve knee pain; learn the correct method.

Yoga poses like Tadasana, Vajrasana, Bhujangasana, and Setu Bandhasana are beneficial for knee pain. These poses strengthen the joints and help reduce pain. Knee pain has become a common problem these days due to aging, poor lifestyle habits, and prolonged sitting. If you don't want to rely on medication, certain yoga poses can help. Regular practice increases joint flexibility and relieves pain. Yoga has many benefits. It strengthens knee muscles, reduces swelling and pain, increases flexibility, and improves blood circulation. However, keep in mind that if pain persists, consult a doctor before starting yoga. Practice slowly. If you feel pain in any pose, stop immediately. Follow proper technique and practice under expert supervision initially. To relieve knee pain, elderly people, arthritis patients, and those who have experienced injury or surgery should exercise special caution. Effective Yoga Asanas for Knee Pain: Tadasana - To practice this asana, stand upright and raise both hands overhead. Stretch your entire body and hold for 10-15 seconds. Practicing Tadasana improves balance and knee strength. Vajrasana - To practice this asana, sit on your knees. Now, sit on your heels and keep your back straight. Remain in this posture for a while. Practicing Vajrasana increases joint flexibility. Bhujangasana - To practice this asana, lie on your stomach and lift your upper body with your hands. Remain in this position for a while. Bhujangasana increases muscle strength. Setu Bandhasana - In Setu Bandhasana, the body posture resembles a bridge. To practice, lie on your back. Bend your knees and raise your hips. Setubandhasana strengthens the knees and thighs. Balasana - To practice Balasana, sit on your knees, bend forward, and rest your forehead on the ground. Practicing this asana reduces pain and stress. Note: This article has been compiled based on suggestions from a yoga teacher. You can consult a yoga teacher for instructions on the correct posture.

Mona Singh and Mihir Ahuja's new web series "Maa Ka Sam" will stream on which OTT platform.

Mona Singh and Mihir Ahuja's new web series is set to hit OTT platforms soon. The series is titled "Maa Ka Sam." Find out when and where you can watch it. Mona Singh and Mihir

Ahuja will be seen together in the web series "Maa Ka
Sam." In addition to Mona and Mihir, Angira Dhar and
Ranveer Brar will also be seen in important roles. Find out
which OTT platform the series will stream on. "Maa Ka Sam"
is a new web series directed by Nicholas Kharkongor.
Mihir Ahuja will be seen in the lead role alongside Mona Singh.
The series is releasing on Prime Video on April 3, 2026. What
is the story of "Maa Ka Sam"? The series tells the story of a
bright teenage boy named Agastya, played by Mihir Ahuja.
Agastya is a brilliant math student who views the world
through the lens of numbers, graphs, and logic. His single
mother, Vinita, is played by Mona Singh. Agastya hatches a
plan to find the perfect husband for his mother, calling it
"Project Mom." Initially, it's just a logical plan, but it gradually
evolves into a fun, emotional, and heartwarming story.

From Alia Bhatt and Kriti Sanon to Priyanka Chopra, these actresses have produced films.

There are many actresses in Bollywood who have ventured into production after acting. Some of these actresses have even achieved success in this field. Bollywood actress Alia Bhatt

recently announced her upcoming film, "Don't Be Shy."
Alia is producing "Don't Be Shy." She has
previously produced several films. Learn about
actresses who have ventured into film production
after acting. Alia Bhatt has announced her new film,
"Don't Be Shy." At an event in Mumbai, Alia revealed
that she will produce "Don't Be Shy" along with her
sister, Shaheen Bhatt. Alia Bhatt has delighted fans with
the announcement of her new film, "Don't Be Shy."
Previously, she co- produced films like "Darlings"
and "Jigra." Anushka Sharma - Anushka started
"Clean Slate" Films in 2013. She has produced well-
received films like "NH10" and "Paatal Lok." After
2022, she reduced her production responsibilities, but
her banner continues to produce good and diverse films.
Priyanka Chopra Jonas - Priyanka formed her own
production company to promote small, big, and regional
films. She has worked on everything from the award-
winning film "Ventilator" to the 2026
Hollywood action film "The Bluff." She provides a
platform for diverse stories. Deepika Padukone -
Deepika's production house focuses on creating positive
stories that convey a message to society. She started
with "Chhapaak" and then went on to produce a major
film like "83." Deepika can produce many big films in
2026 also. Kriti Sanon - Kriti started Blue Butterfly Films
to give her the freedom to make films as per her wish. Her first series she produced was 'Do Patti', which was a mystery thriller. Kriti is interested in making deep and suspenseful stories centric to women. Kangana Ranaut - Through her company, Kangana produces big and ambitious films like 'Emergency'. In 2026 also, she is working on films like 'Bharat Bhagya Vidyalaya'. Now she produces and plays lead roles in historical and political films based on special personalities.

"Didn't you miss home, Jassi?" Sanjana Ganesan trolled Jasprit Bumrah, a meme from "Dhurandhar 2" went viral.

"Dhurandhar 2" continues to make headlines. Sports presenter Sanjana Ganesan has shared a post on Instagram. She shared a meme about her husband, Jasprit Bumrah, that's related to "Dhurandhar 2." "Dhurandhar 2" continues to set box office records. Consequently, many memes related to it are also going viral on social media. Meanwhile, sports presenter Sanjana Ganesan also shared a post about the film on Instagram. She shared a meme about her husband, Jasprit Bumrah, which is now going viral. A light-hearted trolling of Bumrah - A funny moment between cricket star Jasprit Bumrah and his wife, Sanjana Ganesan, is winning hearts. Fans are thoroughly entertained by this adorable banter. Recently, Sanjana shared a funny meme on Instagram, in which she used a popular dialogue from the film "Dhurandhar 2" to lightly troll Bumrah. The meme read, "Didn't you miss home, Jassi?" This dialogue is trending on social media these days, and Sanjana used it in her own way to offer a fun glimpse into married life. In the post, she jokingly showed that whenever Bumrah thinks of going out for a "boys' night," she teases him and reminds him to stay home. About "Dhurandhar 2" - Directed by Aditya Dhar, "Dhurandhar 2" was released on March 19th. Starring Ranveer Singh, Arjun Rampal, Sanjay Dutt, R. Madhavan, and others, this film is the second installment of "Dhurandhar." The film has been performing well since its release, having grossed over ?587 crore in India at the time of writing.